नई दिल्ली, मंगलवार 11 नवंबर 2025 ■ मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष-07 ■ वर्ष : 29, अंक : 208 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 30.0, न्यून. 19.8 haribhoomi.com

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

शाम 6 बजकर 52 मिनट फिर दिल्ली 'दहल' उठी

धमाके के बाद धू-धू कर जलते वाहन।

दिल्ली धमाके का गुनहगार कौन? ये किसकी साजिश?

गृह मंत्री अमित शाह घायलों से एलएनजेपी अस्पताल में जाकर मिले। विस्फोट वाले स्थान का भी दौरा किया।

बड़े सवाल?

1 क्या फरीदाबाद में 24 घंटे में पकड़े गए 2910 किलो विस्फोटक से इस धमाके का रिश्ता है?

2 क्या आरोपियों द्वारा यह धमाका जल्दबाजी में किया गया? क्योंकि, माना जा रहा था कि इस कार में भी विस्फोटक छिपाया गया था, वह भी पकड़ा जा सकता था।

3 दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि यह एक मूविंग व्हीकल था। यानी, यह विस्फोटक कार से कहीं ले जाया जा रहा था? इस कार में कुछ लोग थे।

4 कुछ लोग कह रहे हैं कि ये सीएनजी वाली कार थी और इसका सिलेंडर फट गया। पर, क्या सिलेंडर का धमाका इतना तेज होता है कि दूर के मंदिर और घरों के शीशे उड़ जाएं?

5 तो, क्या इसे आतंकी घटना माना जाएगा? क्या इसे एक्ट ऑफ वार माना जाएगा? तो, अब केंद्र का क्या एक्शन होगा?

दिल्ली के सबसे भीड़ वाले इलाके में कार में बड़ी तीव्रता वाला धमाका, अभी तक इस धमाके का आतंकी करतूत से कनेक्शन पर कोई अधिकारिक बयान नहीं, एक संदिग्ध हिरासत में

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट... 10 की मौत

एनएसजी-एनआईए की टीमें पहुंचीं दिल्ली, मुंबई, हरियाणा और यूपी में हाई अलर्ट, पूरा इलाका खाली कराया, एयरपोर्ट-रेलवे स्टेशन व प्रमुख बाजारों में सुरक्षा बढ़ाई गई

दिल्ली पुलिस सीसीटीवी के फुटेज से पता लगा रही है कि जिस आई 20 कार में धमाका हुआ, वो कौन सी थी? उसका टाइमर कहां से ऑपरेट किया गया?

धमाके के बाद कई कारें जलकर खाक हो गईं, फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग बुझाने के बाद मौके पर पड़ा मलबा।

धमाके के बाद क्या हुआ?

- 10 से ज्यादा कारों के परखच्चे उड़े, तीन से ज्यादा बैट्री रिक्शे तबाह
- आसपास के कई घरों की खिड़कियों और गौरीशंकर व जैन मंदिर के शीशे चकनाचूर हो गए
- 30 से ज्यादा घायल एलएनजेपी अस्पताल में पहुंचाया गया
- 30 में से करीब 8 लोगों की हालत बेहद खराब
- दमकल की कई गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर मौजूद
- क्राइम ब्रांच, स्पेशल ब्रांच और फॉरेंसिक की टीमों ने जांच का मोर्चा संभाला
- ब्लास्ट की वजह से आस पास की स्ट्रीट लाइट भी टूट गईं
- चांदनी चौक मार्केट को बंद कर दिया
- लाल के आसपास के पूरे इलाके और सड़कों को बंद कर दिया गया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक बार फिर दिल्ली को निशाना बनाया। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम 6 बजकर 52 मिनट पर एक बड़ा धमाका हो गया। धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 30 से ज्यादा घायल हुए हैं।

इनमें से 8 की हालत गंभीर है। यह धमाका मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुआ है। जिसके बाद कार में आग लग गई। इस धमाके में आसपास की 11 से ज्यादा कारों के परखच्चे उड़ गए। तीन बैट्री रिक्शे तबाह हो गए। आसपास के कई घरों की खिड़कियों और गौरीशंकर व जैन मंदिर के शीशे चकनाचूर हो गए। 30 से ज्यादा घायल एलएनजेपी अस्पताल में पहुंचाया गया है। दमकल की कई गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर मौजूद हैं। क्राइम ब्रांच, स्पेशल ब्रांच और फॉरेंसिक की टीमों ने जांच का मोर्चा संभाल लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। लाल किला क्षेत्र दिल्ली के सबसे ज्यादा व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाके में शामिल है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में विस्फोट की सूचना मिली थी, जिसके बाद आसपास खड़ी तीन से चार गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं और क्षतिग्रस्त हो गईं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात की। शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से पूरा ब्यौरा लेकर पीएम को ब्रीफ किया

चश्मदीदों ने बताया कि मारे गए कई लोगों के हाथ-पैर और शरीर के कई अंग क्षत-विक्षत इधर-उधर पड़े दिखे

कार मालिक सलमान पुलिस हिरासत में, हो रही पूछताछ

विस्फोट में इस्तेमाल हुई जिस कार से धमाका होने की बात कही जा रही है, वह आई-20 कार एक सलमान नाम के व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार मालिक सलमान को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। हालांकि, पूछताछ के दौरान सलमान ने पुलिस को बताया कि उसने यह कार आगे किसी ▶▶ शेष पेज 5 पर

जांच से पता लगेगा कि यह ब्लास्ट किस तरह का?

धमाका इतना तेज था कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मैं गुरुद्वारे में था जब मैंने एक तेज आवाज सुनी। हम समझ ही नहीं पाए कि वह क्या थी, वह इतनी तेज थी। आस-पास खड़े कई वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। फोरेंसिक और टेक्निकल एक्सपर्ट मौके पर पहुच रहे हैं जो यह पता लगाएंगे कि आखिर यह ब्लास्ट किस तरह का है?

हरियाणा पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन ◀ देश में बड़े हमले की 'साजिश'.... फरीदाबाद में पकड़ी गई 'विस्फोट फैक्ट्री'

360 किलोग्राम 'विस्फोट' के बाद एक और घर से मिला 2550 किलो अमोनियम नाइट्रेट

आतंकियों के पास से अमोनियम नाइट्रेट, डेटोनेटर, गोला-बारूद और राइसिन जहर बनाने का सामान बरामद हुआ। डॉक्टर इस्लामिक स्टेट-खोरासान प्रांत से जुड़ा था और दिल्ली, लखनऊ और अहमदाबाद में हमले की साजिश रच रहा था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद की बरामदगी के संबंध में एक डॉक्टर और एक मुस्लिम धर्मगुरु को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा की जा रही जांच के दौरान हुई है। फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार ▶▶ शेष पेज 5 पर

डॉ. आदिल अहमद

इस मामले में दिल्ली, जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा मप्र और गुजरात से कनेक्शन खंगाला जा रहा

आदिल के घर से खतरनाक हथियार बरामद हुए

फरीदाबाद में पुलिस आतंकी के ठिकाने की जांच करते हुए

यह बरामद हुई सामग्री

बरामद की गई सामग्री में एक असॉल्ट राइफल, तीन मैगजीन और 83 जिंदा कारतूस, एक पिस्टल, आठ जिंदा कारतूस, दो खाली मैगजीन, आठ बड़े और चार छोटे सूटकेस, और एक बाल्टी शामिल है, जिसमें से लगभग 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट बरामद हुआ है। इसके अलावा, 20 टाइमर बैटरियां, 24 रिमोट, लगभग 5 किलोग्राम भारी धातु, वॉकी-टॉकी सेट, इलेक्ट्रिक तार, बैटरियां और अन्य संदिग्ध सामग्री भी जब्त की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह आरडीएक्स नहीं है, बल्कि अमोनियम नाइट्रेट है। बरामद की गई राइफल एके-47 जैसी है, लेकिन उससे थोड़ी छोटी है।

आरोपी डॉक्टर ने यह सामान रखने किराए पर लिया था मकान

पुलिस आयुक्त ने यह भी बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी डॉ. मुज्जमिल फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाते थे। यूपी के सहारनपुर से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंधों के चलते अनंतनाग के रहने वाले एक डॉक्टर आदिल अहमद को गिरफ्तार किया था। इसी कड़ी में कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद में किराए पर रह रहे डॉक्टर के कमरे में छापा मारा। बताया जा रहा है कि कश्मीरी डॉक्टर मुजाहिल शकील ने फरीदाबाद में किराए पर कमरा लिया था। आरोपी डॉक्टर यहां रहता नहीं था। उसने केवल सामान रखने के लिए कमरा लिया था। इस मामले में चार राज्यों जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात से पूरे मामले का कनेक्शन खंगाला जा रहा है। श्रीनगर में पकड़े गए आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे। यह नेटवर्क शिक्षित और पेशेवर युवाओं से जुड़ा था और विदेशी संपर्कों के माध्यम से संचालित हो रहा था। जांच में पता चला कि यह समूह एन्क्रिप्टेड चैनलों के जरिए भर्ती, समन्वय, धन-संग्रह और लॉजिस्टिक्स का काम करता था। धनराशि पेशेवर और शैक्षणिक नेटवर्क के माध्यम से, सामाजिक या धर्मार्थ कारणों का बहाना बनाकर जुटाई जा रही थी। आरोपी आतंकवाद के लिए लोगों की पहचान कर, उन्हें कट्टर बनाने और हथियार/आइईडी बनाने के लिए सामग्री जुटाने के लिए काम करता था । जांच के दौरान श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया।

हरिभूमि
सहेली

विशेषः बाल दिवस, 14 नवंबर

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

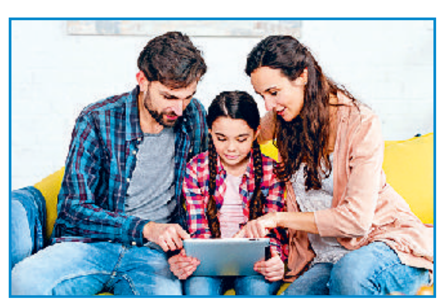

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को समझनी होगी।

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकारः हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्तावः लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं।

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकासः बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूतः कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोताः चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकासः जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञानः बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगारः कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धिः कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है।

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

एडवाइस

ललिता गोयल

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएंः बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करेंः कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचावः अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखेंः बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करेंः नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमालः केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएंः ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है।

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन
चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीजः यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीजः यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षणः बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारणः डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना।

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

नई दिल्ली
मंगलवार, 11 नवंबर 2025
मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष
सप्तमी, वर्ष : 29, अंक : 208
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 19.8

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बाजार का हाल

मार्केट	बंद	बढ़त
सेंसेक्स	83,535.35	319.07 ▲
निफ्टी	25,574.35	82.05 ▲
धातु	**कीमत**	**उछाल**
सोना	1,25,900/-	1300/- ▲
चांदी	1,55,760/-	2460/- ▲

(सोना प्रति 10 ग्राम और चांदी प्रति किलो रु. में)

मुद्रा	प्रति डॉलर	नीचे/ऊपर
रुपया	88.71	6 पैसे ▼
क्रूड ऑयल 64.27 बैरल		1.01% ▲

पेट्रोल दिल्ली में 94.72 रु. लीटर और डीजल 87.62 रु. लीटर बिक रहा है।

मतदान के दूसरे चरण की तैयारियों में जुटे मतदान कर्मचारी

बिहार में आज अंतिम चरण का मतदान

122 सीटों पर 3.7 करोड़ मतदाता चुनेंगे अगली सरकार

1,302 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अपने सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गया है। मंगलवार 11 नवंबर को राज्य में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान होगा, जिसके बाद 243 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में वोटिंग की प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी।

पहले चरण में 65% के भारी मतदान के बाद अब दूसरे चरण में भी बंपर वोटिंग की उम्मीद की जा रही है। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। सभी सीटों के लिए वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। दूसरे चरण में जिन 20 जिलों में मतदान होगा उनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल, कैमूर और रोहतास शामिल हैं।

45,399 बूथों पर अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात रहेंगे

मतदान केंद्रों पर तीन लेयर में सुरक्षा की व्यवस्था रहेगी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की लगभग 500 कंपनियां (लगभग 50,000) बिहार में चुनाव-पूर्व ड्यूटी पर तैनात थीं और बाद में, सीएपीएफ की 500 और कंपनियां राज्य में पहुंचीं। दूसरे राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के लगभग 2,000 जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के 30,000 जवान, 20,000 से ज्यादा होमगार्ड, लगभग 19,000 नए भर्ती हुए कॉन्स्टेबल और लगभग 1.5 लाख चौकीदार (ग्रामीण पुलिस) भी दोनों चरणों के लिए चुनाव ड्यूटी पर तैनात हैं।

इंडो-नेपाल सीमा सील

मतदान से 72 घंटे पहले इंडो-नेपाल सीमा को पूरी तरह से सील कर दिया गया है, ताकि सीमा पार से किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों, शराब या नकदी के आवागमन पर रोक लगाई जा सके।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

नया आधार एप लॉन्च लोगों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। आधार कार्ड एक प्रकार से हमारी पहचान के रूप में काम आता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने नया आधार एप लॉन्च किया है। इस नए एप के जरिए अब लोगों को अपने आधार को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने, शेयर करने और वेरीफाई करने की सुविधा मिलेगी।

डीएलसी अभियान 4.0 देशभर में शुरू

नई दिल्ली। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से 1 से 30 नवंबर तक चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी डीएलसी अभियान 4.0 के तहत 11 नवंबर 2025 को चेन्नई में तांबरम स्थित एयरफोर्स ऑडिटोरियम में एक मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा।

ब्रिटिश एयरवेज के प्लेन में बम की झूठी धमकी

नई दिल्ली। लंदन से हैदराबाद आने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट को सोमवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिला। जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली। फ्लाइट में 200 से ज्यादा यात्री सवार थे। यह विमान सुबह करीब 5:30 बजे राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा। एयरपोर्ट पर ईमेल मिलते ही सीआईएसएफ और पुलिस ने पूरी जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि धमकी फर्जी थी।

रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों की वार्षिक समीक्षा बैठक में बोले रक्षा मंत्री

1.51 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन में डीपीएसयू की 71.6 फीसदी भागीदारी: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

टैरिफ से लेकर दुनिया में जारी सैन्य संघर्षों के दौर में सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा क्षेत्र के 16 सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन से जुड़ी हुई एक समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत द्वारा प्राप्त किए गए 1.51 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन में डीपीएसयू की भागीदारी 71.6 फीसदी रही है। जबकि रक्षा निर्यात का आंकड़ा 6 हजार 695 करोड़ तक जा पहुंचा है।

रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र की यह प्रगति देश की स्वदेशी प्रणालियों में पूरी दुनिया द्वारा प्रकट किए जा रहे विश्वास के प्रमाण का प्रतीक है। जो ये भी दर्शाता है कि मेड इन इंडिया के तहत बनाए गए रक्षा उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान अर्जित कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में डीपीएसयू का शानदार प्रदर्शन स्वदेशी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता और क्षमता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के जरिए यह जानकारी साझा की है।

यह 3 एमओयू हुए

मंत्रालय ने बताया कि डीपीएसयू के बीच तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। पहले में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) के आधुनिकीकरण प्रयासों का समर्थन करने, 10 हजार टन फोर्जिंग प्रेस सुविधा स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। जिससे रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले एल्यूमीनियम मिश्र धातुओं के लिए आयात निर्भरता घटाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। दूसरे एमओयू में एचएएल ने वाईआईएल को 435 करोड़ रुपए की ब्याज मुक्त अग्रिम राशि देने की प्रतिबद्धता जताई है। बीडीएल आगामी एक दशक में 3 हजार मीट्रिक टन का निरंतर कार्यभार प्रदान करेगा। तीसरे एमओयू का संबंध राष्ट्रीय महत्व की रक्षा परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की उपलब्धता बनाए रखने के लिए मिधानी में एक मेटल बैंक के निर्माण के लिए किया गया है।

सरकार देगी हर जरूरी सहायता

राजनाथ ने बैठक में डीपीएसयू को कई जरूरी निर्देश भी दिए। जिनमें स्वदेशीकरण और अनुसंधान व विकास के लिए रोडमैप तैयार करने और विकास की उक्त गति को जारी रखते हुए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण, समग्र अनुसंधान-विकास, उत्पाद गुणवत्ता संवर्धन, समयबद्ध डिलीवरी समेत निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की है। रक्षा मंत्री ने डीपीएसयू को अगली समीक्षा बैठक में रोडमैप को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने सरकार की तरफ से आश्वासन देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर डीपीएसयू को तुरंत सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को लगातार आगे बढ़ाने में दिए जा रहे योगदान के लिए डीपीएसयू की सराहना की। साथ ही सभी देश को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लेने अपील भी राजनाथ ने डीपीएसयू से की है। कार्यक्रम में उन्होंने डीपीएसयू के नए भवन (नौरोजी नगर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर) का उद्घाटन भी किया।

स्वयं का उद्घाटन किया

बैठक से इतर रक्षा मंत्री ने स्वयं (सतत और हरित रक्षा निर्माण) का उद्घाटन किया। जो डीपीएसयू में हरित परिवर्तन को दर्शाने वाला एक व्यापक संग्रह है। 2023 की विस्तृत ऊर्जा दक्षता कार्ययोजना में इसे शामिल किया गया था। यह मुख्य रूप से रक्षा उत्पादन इकोसिस्टम में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, नवीनीकरण ऊर्जा पर जोर देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों का विवरण देता है। स्वयं डैशबोर्ड, डीपीएसयू ऊर्जा दक्षता सूचकांक जैसे तमाम डिजिटल उपकरणों से जुड़ी ये पहल आत्मनिर्भरता के साथ स्थिरता को जोड़ने की केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सम्मानित हुए डीपीएसयू

राजनाथ सिंह ने बैठक में म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड, आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड को मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा दिए जाने पर सम्मानित किया और कहा, यह सम्मान रक्षा क्षेत्र में उनकी बढ़ती दक्षता, स्वायत्तता व योगदान को प्रदर्शित करता है। उन्होंने बताया कि 2021 में आयुध निर्माणी बोर्ड के 7 नए डीपीएसयू में परिवर्तन से अधिक कार्यात्मक स्वतंत्रता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता का मार्ग हुआ है। सम्मान के जरिए ये सभी क्षमता विस्तार, आधुनिकीकरण व सार्वजनिक-निजी दोनों क्षेत्रों के भागीदारों के साथ संयुक्त उद्यम, विलय के साथ ही नए उपक्रमों, सहयोगों की खोज करने के लिए सशक्त बनाएगा।

हनोई में दोनों देशों के बीच इस संबंध में हुआ एमओयू

भारत-वियतनाम के बीच बढ़ेगा पनडुब्बी खोज और बचाव के क्षेत्र में सहयोग

रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को मजबूती देने से जुड़े हुए आशय पत्र पर किए गए हस्ताक्षर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

टैरिफ और वैश्विक स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के मध्य भारत और वियतनाम के बीच सोमवार को हनोई में रक्षा नीति संवाद (डीपीडी) के 15वें संस्करण का आयोजन किया गया। जिसमें भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और वियतनाम की ओर से उप-रक्षा मंत्री सीनियर लेफ्टिनेंट जनरल होआंग चेन शामिल हुए। इस संवाद में जहां एक ओर ▶▶ शेष पेज 5 पर

दिसंबर में होगी महत्वपूर्ण बैठक

मंत्रालय ने बताया कि भारत और वियतनाम ने उभरते हुए क्षेत्रों जैसे साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के समयबद्ध आदान-प्रदान, सैन्य मेडिसिन-विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को लेकर भी भविष्य में सहयोग को और अधिक गहराई प्रदान करने का निर्णय लिया है। एमओयू पनडुब्बी खोज और राहत अभियानों में सहयोग के लिए जरूरी तंत्र स्थापित करने से संबंधित है। जबकि रक्षा उद्योग सहयोग ▶▶ शेष पेज 5 पर

श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस और गीता जयंती महोत्सव में होंगे शामिल पीएम मोदी

25 नवंबर को हरियाणा आएंगे प्रधानमंत्री, करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का करेंगे उद्घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी 25 नवंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी कुरुक्षेत्र में आयोजित श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस और गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री करोड़ों रूपये के विकास कार्यों के उद्घाटन भी करेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने यह जानकारी सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद दिल्ली हरियाणा भवन में मीडिया को दी।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर जी का संदेश जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए हरियाणा प्रदेश में चार पवित्र यात्राएं चलेंगी। पहली यात्रा सिरसा जिला से शुरू हो चुकी है,दूसरी यात्रा पिंजौर,तीसरी यात्रा यमुनानगर और चौथी यात्रा फरीदाबाद से शुरू होगी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के त्याग और बलिदान के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह पवित्र यात्राएं निकाली जा रही हैं। 24 नवंबर ▶▶ शेष पेज 5 पर

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में भी प्रधानमंत्री करेंगे शिरकत

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने गीता को हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया था। आज हमें बेहद खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के कार्यक्रम विदेशों में भी बड़े स्तर पर हो रहे हैं। इस महोत्सव में कोई देश और कोई न कोई राज्य पार्टनर के रूप में शामिल होता है और उनके द्वारा अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। एक सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी के पास कोई विजन नहीं ▶▶ शेष पेज 5 पर

शिवराज सिंह ने ओडिशा की अगुवाई में बाजरा को प्रोत्साहन देने पर मंडिया दिवस समारोह का किया उद्घाटन

बाजरा आंदोलन को जन-जन के मिशन में बदलने में ओडिशा का बड़ा योगदान: चौहान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को भुवनेश्वर के लोक सेवा भवन स्थित कन्वेंशन सेंटर में 'मंडिया दिवस' (बाजरा दिवस) समारोह का उद्घाटन किया और भारत के बाजरा आंदोलन को जन-जन के मिशन में बदलने में ओडिशा के अनुकरणीय योगदान पर प्रकाश डाला।

अपने उद्घाटन भाषण में, चौहान ने कहा, 'मंडिया दिवस' केवल उत्सव का दिन नहीं है, यह श्री अन्न को बढ़ावा देने के एक सार्थक अभियान का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, कई लोगों ने इसके बारे में बात की है, लेकिन ओडिशा ने वास्तव में इस कल्पना को साकार किया है। मैं इस उल्लेखनीय प्रयास के लिए ओडिशा सरकार को तहे दिल से बधाई देता हूँ। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि श्री अन्न केवल एक अनाज नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पोषण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, बाजरा शरीर और पृथ्वी, दोनों का ▶▶ शेष पेज 5 पर

लोक सभा अध्यक्ष ने कोहिमा में 22वें सीपीए सम्मेलन का उद्घाटन किया

सदन में सुनियोजित व्यवधान लोकतंत्र के लिए हानिकारक : लोकसभा अध्यक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कोहिमा में नागालैंड विधान सभा में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन-III के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर सोमवार को लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों से विधायी संस्थाओं के सुचारू और व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करके उनकी गरिमा बनाए रखने की अपील की। लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण, सुवयवस्थित और ज्ञानप्रद चर्चाओं के माध्यम से विभिन्न मुद्दों को उठाने, चिंताओं को व्यक्त करने और संवाद करने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने सावधान किया कि सुनियोजित ढंग से उत्पन्न किए जाने वाले व्यवधान न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करते हैं, बल्कि नागरिकों को सार्थक विचार-विमर्श और जवाबदेही सुनिश्चित करने से भी वंचित करते हैं।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, ▶▶ शेष पेज 5 पर

10 दिन पहले भी अस्पताल किया था उनको भर्ती

अभिनेता धर्मेंद्र की हालत नाजुक ब्रीच कैंडी अस्पताल में हुए भर्ती

परिजनों ने कहा- वे वेंटिलेटर पर नहीं आईसीयू में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र (89) की तबीयत फिर खराब हो गई है। इस बार उनकी हालत नाजुक है। उनको ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

10 दिन पहले भी उनको उम्र से जुड़ी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पहले खबर थी कि वे वेंटिलेटर पर हैं। बाद में, परिजनों ने कहा कि वे आईसीयू में हैं। वे भारतीय हिंदी सिनेमा के ही-मैन के नाम से मशहूर हैं। मार्च के आखिर में धर्मेंद्र की आंखों की ग्राफ्ट सर्जरी हुई थी। तब अभिनेता ने कहा था-अभी बहुत दम है। अभी भी बहुत जान है। मैं बहुत मजबूत हूं। धर्मेंद्र अभी भी हिंदी फिल्मों में सक्रिय हैं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के बाद एक बार फिर धर्मेंद्र बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वह दिनेश विजन की अपकमिंग मूवी इक्कीस में भी हैं। फिल्म 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता के करीबी दोस्त अवतार गिल ने कहा कि उन पर दवाइयों का असर भी नहीं हो रहा। धर्मेंद्र की पहली पत्नी ▶▶ शेष पेज 5 पर

धर्मेंद्र

कर्नाटक के बेलगावी में इस वर्ष हो रहा है युद्धाभ्यास के 11वें संस्करण का आयोजन

घायलों को बचाने की ड्रिल का प्रदर्शन किया जाएगा

भारत और श्रीलंका के बीच मित्र शक्ति युद्धाभ्यास से मजबूत होंगे द्विपक्षीय संबंध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी टैरिफ संकट और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के तमाम देशों में बढ़ते चीन के प्रभाव के बीच ऐसा बिलकुल नहीं है कि भारत के उसके पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय और सामरिक संबंधों में प्रगाढ़ता नहीं है या उसमें कुछ कमी आई है।

संबंधों में पहले जैसी गर्मजोशी और मजबूती कायम है। जिसकी ताजा तरीन मिसाल सोमवार से कर्नाटक के बेलगावी स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में भारत और श्रीलंका के बीच शुरू हुए 'मित्र शक्ति-2025' युद्धाभ्यास ने पेश की है। इस वर्ष इसका 11 वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। जो 10 से लेकर 23 नवंबर तक चलेगा।

सेनाओं संग वायुसेनाएं भी दिखाएंगी दम

सेना ने बताया कि भारत से इस युद्धाभ्यास में राजपूत रेजीमेंट के कुल 170 सैन्यकर्मियों का बड़ा दस्ता भाग ले रहा है। जबकि दूसरी ओर श्रीलंकाई पक्ष को उनकी गजबा रेजीमेंट के 135 सैन्यकर्मी नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा युद्धाभ्यास में दोनों देशों की वायुसेनाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी देखने को मिलेगी। भारतीय वायुसेना के 20 और श्रीलंका की वायुसेना के 10 कर्मी इस युद्धाभ्यास में भाग ले रहे हैं।

यूएन का मैनडेट, ड्रोन की रहेगी भागीदारी

सेना के मुताबिक, मित्र शक्ति युद्धाभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के अध्याय-7 के तहत उप-पारंपरिक अभियानों के लिए दोनों देशों द्वारा एकजुटता से अभ्यास करना है। आतंकवाद से संयुक्त रूप से मुकाबला करने के लिए सैन्यबलों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना भी युद्धाभ्यास के दायरे में ▶▶ शेष पेज 5 पर

यूं होगा हेलीपैड का बचाव

अभ्यास में दोनों पक्षों द्वारा हेलीपैड को सुरक्षित बनाए रखने और आतंकवाद रोधी अभियानों के जरिए घायलों को बचाने की ड्रिल का प्रदर्शन किया जाएगा। दोनों सेनाओं के सामूहिक प्रयासों के केंद्र में आपसी संचालन प्रक्रिया के स्तर ▶▶ शेष पेज 5 पर

निगम के 12 वार्डों के उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

भाजपा प्रत्याशियों को मिलेगा जनता का भरपूर आशीर्वाद : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जनसेवा के प्रति भाजपा प्रत्याशियों का समर्पण, मेहनत और कार्यशीलता ने उन्हें जनता के बीच विशेष स्थान दिलाया है। उन्हें अपने वार्ड की जनता का भरपूर आशीर्वाद और अपार स्नेह मिलेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सांसद प्रवीण खंडेलवाल की उपस्थिति में शालीमार बाग-बी वार्ड 56 से भाजपा प्रत्याशी अनिता जैन और अशोक विहार, वार्ड 65 से प्रत्याशी वीना असीजा द्वारा किए गए नामांकन के दौरान यह संबोधन दिया। यहां रेखा गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने ऐसी समर्पित और कर्मनिष्ठ कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाया है, जो क्षेत्र के विकास, सेवा और सुशासन के लिए निरंतर कार्यरत रहेंगे। हम सब मिलकर दिल्ली को विकास और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाएंगे। नामांकन के लिए रोड शो में बड़ी संख्या में आशीर्वाद देने आए सभी दिल्ली वासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों के उपचुनाव के लिए रविवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा द्वारा घोषित प्रत्याशियों ने सोमवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पूर्ण उत्साह के साथ अपने नामांकन दाखिल किए। इसे लेकर सचदेवा ने कहा है कि यह चुनाव कोई सरकार बनाने या गिराने का चुनाव नहीं है पर निस्संदेह दिल्ली के अलग अलग कोनों के इन 12 वार्डों के लोग भाजपा सरकार के -दिल्ली बदलो दिल्ली संवारों - संकल्प को मजबूत करने के लिए भाजपा को वोट देकर जितायेंगे।

चांदनी चौक वार्ड से प्रत्याशी पूर्व पार्षद सुमन कुमार गुप्ता ने एवं चाँदनी महल वार्ड से प्रत्याशी सुनील शर्मा ने दिल्ली सरकार में मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, सांसद प्रवीन खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग, जिला प्रभारी राजेश भाटिया आदि की उपस्थिति में अपने नामांकन दाखिल किये। विनोद नगर वार्ड से प्रत्याशी पूर्व पार्षद सरला चौधरी ने केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, विधायक रवि नेगी, जिलाध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं पूर्व विधायक नसीब सिंह आदि की उपस्थिति में नामांकन दायर किया। ग्रेटर कैलाश वार्ड से प्रत्याशी अंजुम मंडल ने सांसद बांसुरी स्वराज एवं विधायक शिखा रॉय, नई दिल्ली जिलाध्यक्ष रविन्द्र चौधरी और मंडल अध्यक्ष नरेश चौधरी की उपस्थिति में जामनगर हाउस में नामांकन दाखिल किया।

द्वारका बी वार्ड से प्रत्याशी मनीषा सहरावत ने सांसद कमलजीत सहरावत, मंत्री डॉ. पंकज सिंह, विधायक संदीप सहरावत की उपस्थिति में नामांकन भर कर विजय पताका फहराई। दिचाऊं कलां से पार्षद प्रत्याशी रेखा रानी ने सांसद कमलजीत सहरावत, दिल्ली सरकार के मंत्री डॉ. पंकज सिंह, विधायक अभय वर्मा आदि की उपस्थिति में नामांकन भरा। नारायणा वार्ड से प्रत्याशी डॉ. चंद्रकांता शिवानी ने नामांकन से पहले वार्ड में विजय संकल्प यात्रा निकाली जिसमें सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद और जिला अध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर आदि सम्मिलित हुए।

दक्षिणपुरी से प्रत्याशी रोहिणी राज एवं संगम विहार एक्सटेंशन से प्रत्याशी शुभ्राजीत गौतम ने एसडीएम साकेत के कार्यालय में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, एनडीएमसी सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष माया बिष्ट और पूर्व महापौर जय प्रकाश की उपस्थिति में सम्बंधित आर.ओ. कार्यालय में नामांकन दायर किए। मुंडका वार्ड से प्रत्याशी जयपाल सिंह दराल ने सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, दिल्ली सरकार के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक मनोज शौकीन एवं गजेन्द्र दराल की उपस्थिति में हवन किया।

एमसीडी की 12 रिक्त सीटों के लिए 133 नामांकन दाखिल

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की 12 रिक्त सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, इन 12 वार्डों के लिए कुल 133 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। जिसमें 59 पुरुष और 74 महिलाएं हैं। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच के बाद मान्य उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी।

'आप' उम्मीदवारों ने भरे नामांकन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों ने सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन अपना पर्चा दाखिल किया। उन्होंने 30 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में अपनी जीत का भरोसा भी जताया। नारायणा वार्ड नंबर 139 से 'आप' उम्मीदवार राजन अरोड़ा पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे। वहीं 163 संगम विहार ए वार्ड से 'आप' के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अनुज शर्मा ने पूर्व विधायक प्रकाश जारवाल के साथ नामांकन दाखिल किया। वहीं 164 दक्षिणी पुरी वार्ड से रामस्वरूप कनौजिया, 173 ग्रेटर कैलाश वार्ड से ईशना गुप्ता, 198 विनोद नगर वार्ड से गीता रावत, 56 शालीमार बाग बी से बबीता अहलावत, 65 अशोक विहार वार्ड से सीमा विकास गोयल, 74 चांदनी चौक से हर्ष शर्मा, 76 चांदनी महल से मुद्दसिर उस्मान कुरैशी,120 द्वारका बी वार्ड से राजबाला सेहरावत, 35 मुंडका वार्ड से अनिल लाकड़ा और 128 दिचाऊं कलां वार्ड से नीतू केशव चौहान ने अपने पार्टी के नेताओं के साथ नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान सभी उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। इस दौरान आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने सभी उम्मीदवारों को जीत की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली की जनता भाजपा सरकार के फर्जी दावों और वादों से बेहद नाराज है और उपचुनाव में सभी सीटों पर आम आदमी पार्टी को जीता कर बदला लेना चाहती है।

कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत के दावे के साथ किया नामांकन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों पर होने वाले उपचुनाव के लिए रविवार देर रात अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। जबकि सोमवार को अंतिम दिन सभी उम्मीदवारों ने अपनी अपनी जीत के दावों के साथ नामांकन दाखिल कर दिया। कांग्रेस ने सबसे हॉट यानी शालीमार बाग (महिला) वार्ड से सरिता कुमारी को उम्मीदवार बनाकर दाव खेला है। यह सीट इन 12 सीटों में सबसे हॉट इसलिए है क्योंकि यहां से पार्षद रही रेखा गुप्ता अब दिल्ली की मुख्यमंत्री है। ऐसे में कांग्रेस ने इस सीट पर गहन विचार विमर्श करने के बाद ही सरिता को उतारा है। इसके अलावा मुंडका वार्ड से मुकेश, अशोक विहार (महिला) वार्ड से विशाखा राय, चांदनी चौक वार्ड से अजय कुमार जैन, चांदनी महल वार्ड से कुंवर शहजाद अहमद, द्वारका-बी (महिला) वार्ड से सुमिता मलिक, दिचाऊं कला (महिला) वार्ड से रशमी शर्मा, नारायणा वार्ड से मनोज तंवर, संगम विहार-ए वार्ड से सुरेश चौधरी, दक्षिणपुरी (आरक्षित) वार्ड से विक्रम, ग्रेटर कैलाश (महिला) वार्ड से शिखा कपूर और विनोद नगर वार्ड से विनय शंकर दूबे को चुनावी मैदान में उतारा है। बता दें कि कांग्रेस का इन 12 वार्डों पर एक भी पार्षद नहीं था।

यादव ने कहा सभी वार्ड पर मिलेगी प्रभावशाली जीत

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के रिक्त पडे 12 वार्डों पर उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों को उतार दिया है। नामांकन से ठीक एक दिन पहले देर रात सूची जारी की गई। सूची में शामिल नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दावा किया कि बेहतरीन उम्मीदवारों को उपचुनाव में उतारा है। हमें पूरा भरोसा है कि अपने अपने क्षेत्रों में अलग पहचान रखने वाले सभी उम्मीदवारों को मतदाता प्रभावशाली जीत देने जा रहे है। यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने और जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। यादव ने विश्वास जताया कि कांग्रेस के उम्मीदवार जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएंगे। कांग्रेस ने अपने- अपने वार्डों में उम्मीदवारों की लोकप्रियता, पार्टी के विभिन्न पदों पर उनके पिछले प्रदर्शन और सबसे बढ़कर उम्मीदवार की स्वीकार्यता तथा जीत के अवसरों को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद ही 12 प्रत्याशियों का चयन किया है। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा ने जनता को सिर्फ धोखा दिया है और अब 12 वार्ड में उपचुनाव में ही जनता इनको बाहर का रास्ता दिखाने जा रही है।

दो वर्षीय बच्चे की अपहरण के बाद हत्या का आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले के खजूरी फ्लाईओवर के नीचे से दो साल के मासूम की अपहरण के बाद हत्या करने की गुत्थी को लोकल पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस सिलसिले में शाका उर्फ पप्पू (40) नाम के एक शख्स को पकड़ा है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने बच्चे के पिता को सबक सिखाने के लिए वारदात को अंजाम दिया। आरोपी और बच्चे के परिजन बेघर हैं और खजूरी फ्लाईओवर के नीचे रहकर छोटा-मोटा काम करते हैं।

डीसीपी आशीष मिश्रा के अनुसार यह घटन तीन अक्टूबर की है। बच्चे का शव सीआरपीएफ कैंप के पास से बरामद हुआ था। खजूरी खास पुलिस ने अपहरण व हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी को पकड़ने के लिए एक स्पेशल टीम बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिसमें शाका बच्चे के साथ नजर आया। वारदात के बाद से भी वह फरार था इसलिये उस पर शक गया। आसपास के इलाकों में कई जगहों पर छापेमारी के बाद आरोपी को ढूंढ निकाला गया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वारदात से पहले उसका बच्चे के माता पिता से झगड़ा हुआ था। दंपति को सबक सिखाने के लिए ही उसने बच्चे को अगवा कर उसकी हत्या की थी।

पानी गर्म करते वक्त करंट लगने से मणिपुरी महिला की मौत

■ अभी तक किसी गड़बड़ी की आशंका नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मणिपुर की 23 वर्षीय एक महिला की दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर स्थित अपने घर में बिजली की रॉड से पानी गर्म करते समय करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इस घटना के संबंध में रविवार रात आठ बजकर 19 मिनट पर सूचना मिली थी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और देखा कि महिला अपने बाथरूम में बेहोश पड़ी थी और उसके हाथ में बिजली की एक रॉड थी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि महिला नहाने गई थी और पानी गर्म करने के लिए बिजली की रॉड का इस्तेमाल कर रही थी। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो उसी इमारत में रहने वाली उसकी दोस्त उसे देखने गई तो दरवाजा अंदर से बंद पाया। इसके बाद उसने पुलिस को फोन किया। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भिजवाया। यह बिजली का करंट लगने का मामला प्रतीत होता है और अभी तक किसी गड़बड़ी की आशंका नहीं है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहरूख उर्फ फैज़ान पुत्र** अफ़ाक **निवासी**: म.नं. 775, गली नं. 16, A-ब्लॉक, श्री राम कॉलोनी, खजूरी खास, दिल्ली ने **FIR No. 5531/2015 U/s 379/411/34 IPC थाना: खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शाहरूख उर्फ फैज़ान** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शाहरूख उर्फ फैज़ान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 5531/2015 U/s 379/411/34 IPC थाना: खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहरूख उर्फ फैज़ान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कनिका अग्रवाल
जेएमएफसी-03, प्रथम तल, कमरा नं. 22
(उत्तर पूर्व), कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15079/NE/2025
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित, पुत्र: स्व. श्री दीपक, पता: म.नं. 2603, ईई ब्लॉक, जहाँगीर पुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 631/2020 U/s 356/379/34 IPC, पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 631/2020 U/s 356/379/34 IPC, पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अभियुक्त **रोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.12.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सहलोथ
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
उत्तर, कमरा नं. 213
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15112/NW/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **श्री मोहम्मद फेज़ल पुत्र** श्री मोहम्मद नसीम **निवासी**: 7568-70, बैरक वाली गली, कुरैश नगर, GPO नोर्थ दिल्ली ने **No. 9345/2019 U/s 138 NI Act थाना: सदर बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **श्री मोहम्मद फेज़ल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **श्री मोहम्मद फेज़ल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **No. 9345/2019 U/s 138 NI Act थाना: सदर बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **श्री मोहम्मद फेज़ल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आरूषी परवाल
जेएमएफसी-05, (NI Act), कमरा नं. 02
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15047/N/2025
(Court Notice)

आईफोन 15 का पार्सल लेकर फरार होने वाला अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ आरोपी बाइक टैक्सी कंपनी का प्रतिनिधि है

मध्य दिल्ली के पटेल नगर में एक 'आईफोन 15' पार्सल लेकर फरार हुए बाइक टैक्सी कंपनी के प्रतिनिधि को कई हफ्ते बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी को एक ग्राहक को आईफोन पहुंचाना था। इस संबंध में नंगली डेयरी निवासी गुरप्रीत सिंह (29) को आठ नवंबर को गिरफ्तार किया गया। अपराध में इस्तेमाल स्कूटर भी इसके पास से जब्त कर लिया गया है।

डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार 17 अक्टूबर को एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक आईफोन 15 पहुंचाने के लिए नियुक्त 'बाइक एग्रीगेटर राइडर' गंतव्य तक नहीं पहुंचा और पार्सल लेकर गायब हो गया। उसके बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। इसके बाद बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच से पता चला कि गुरप्रीत सिंह अपना ठिकाना बदलता रहता था। बाद में उसे नंगली डेयरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान सिंह ने पार्सल चुराने की बात कबूल की और कहा कि वह नशे की अपनी लत के कारण इस तरह के कृत्य करता था। जांच से पता चला कि सिंह का एक लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ राजौरी गार्डन, हरि नगर, पश्चिम विहार पूर्व एवं डाबडी सहित दिल्ली के कई थानों में चोरी, डकैती एवं शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित कम से कम 10 मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों से जुड़े किसी भी सहयोगी का पता लगाने और चोरी की गई अन्य संपत्ति की बरामदगी के लिए जांच जारी है।

जंतर-मंतर पर शख्स ने गोली मार की आत्महत्या

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर सोमवार को एक व्यक्ति ने कट्टे से गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया है। घटना की सूचना मिलते ही आला अफसर मौके पर पहुंचे। इस्तेमाल किया गया हथियार फॉरेंसिक लैब भेजा गया। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त अभी बाकी है। खबर लिखे जाने तक मौके पर पुलिस कर्मी मौजूद थे। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई थी। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति ने किन परिस्थितियों में खुद को गोली मारी, उसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पता चला है कि वह मध्य प्रदेश से यहां आया था। मृतक की उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और विवरण की प्रतीक्षा है।

गवाह को धमकाने के आरोप में 'बाबा' गिरोह के दो धरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने गवाह को अदालत में गवाही देने से कथित तौर रूप से रोकने के लिए धमकाने पर सतेंद्र उर्फ बाबा गिरोह से जुड़े दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम गोकलपुर निवासी राहुल उर्फ अमित (38) और नंद नगरी निवासी मोहित उर्फ लाला (22) बताये गये हैं। इनके पास से छह कारतूस समेत दो पिस्टल और अपराध में इस्तेमाल किया गया स्कूटर बरामद हो गया है। डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार गोकलपुरी थाने में बदमाशों की सूची में शामिल राहुल उर्फ अमित गाजीयाबाद के लोनी बॉर्डर थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था। उस पर 2014 के एक मारपीट के मामले में अभियोजन पक्ष के गवाह के बेटे को धमकाने और हमला करने के आरोप है। सितंबर में एक महिला को कड़कड़डूमा अदालत में गवाही देने से रोकने के लिए आरोपी ने उसके बेटे को निशाना बनाया था। आरोपी सात सितंबर की घटना के बाद से फरार था। हाल ही में पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल और उसका साथी मोहित दिलशाद गार्डन स्थित आईएचबीएएस अस्पताल के पास अपने गिरोह के अन्य सदस्यों से मिलेंगे। वह किसी अन्य अपराध की योजना बनाएंगे। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीन नवंबर को नंद नगरी इलाके में छापेमारी की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, राहुल का आपराधिक इतिहास है और वह हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूट और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) सहित 20 से अधिक मामलों में संलिप्त है। उसका साथी मोहित गिरोह को कथित तौर पर रसद पहुंचाने और साजिश रचने में सहायता कर रहा था।

आईपॉड की मदद से एसयूवी कार चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

साउथ पटेल नगर से एक एसयूवी कार चोरी करने के आरोप में 25 वर्षीय शख्स को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। सिकंदराबाद निवासी आरोपी अनिल थार में छूटे 'एप्पल आईपॉड' की मदद से पकड़ा गया।

मिली जानकारी के अनुसार हरिद्वार निवासी शिकायतकर्ता ने 28 अक्टूबर को अपनी एसयूवी साउथ पटेल नगर में एक दोस्त के घर के बाहर खड़ी की थी। अगली सुबह एसयूवी वहां नहीं थी। जांच के दौरान चोरी किए गए वाहन के अंदर रखे 'एप्पल आईपॉड' की लोकेशन का पता लगाया गया, जिससे आरोपी की गतिविधियों का पता लगाने में मदद मिली। पुलिस की एक टीम ने निगरानी के जरिये सिकंदराबाद में किराये के एक मकान से अनिल कुमार को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एसयूवी की बिक्री से प्राप्त करीब एक लाख रुपये नकद और 'एप्पल आईपॉड' समेत विभिन्न सामान बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार अनिल ने कबूला कि उसने चोरी की गई थार को बिहार के सीवान में अपने सहयोगी राजू की मदद से ढाई लाख रुपये में बेच दिया था। राजू अभी भी फरार है। पुलिस के अनुसार अनिल आदतन अपराधी है और वह पहले भी दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश में चोरी एवं आर्म्स एक्ट से संबंधित नौ मामलों में शामिल रहा है।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत।

DD.NO. 16 दिनांक 08.11.2025 धारा 194 बी.एन.एस. थाना बरोदा जिला सोनीपत।

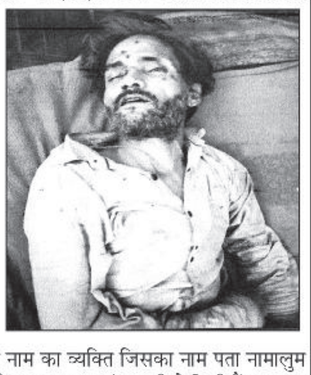

मृतक की पहचान
नाम - राजेश
पिता का नाम - नामालुम
पता - नामालुम।
उम्र - 40-50 वर्ष लगभग।
कद - 5 फुट 3 ईन्च।
हुलिया: रंग गेंहुआ, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, पतला शरीर, आंखे बंद मिली हैं।
पहनावा - नीले रंग की पजामी, नीले रंग का कच्छा, तम्बाकु रंग की कमीज, गले में लाल रंग का डोरा मिला हैं।

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 08.11.2025 को एक राजेश नाम का व्यक्ति जिसका नाम पता नामालुम को रुखी हवेली ढाबा गोहाना रोहतक हाईवे बाहद रकबा गांव रुखी से मिली हैं यह नाश को शिनाख्त हेतू बी.पी.एस. खानपुर कलां सोनीपत में 72 घण्टे के लिए मोर्चरी में रखवाई गई है। अगर मृतक के बारे में कोई सूचना प्राप्त हो या किसी थाना के क्षेत्र में कोई गुमशुदगी है या शिनाख्त होती है तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें।

प्रबन्धक थाना मो० न0-7419410546
अनुसंधानकर्ता मो0 न0 - 9467512303
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903

हस्ता/- अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच : 1084/11/4108/2026/40164/88/7 दि. 10-11-25

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पाडरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी-सह-आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदारों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ("आईसीआईसीआई बैंक") से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्वर्ण आभूषणों के तहत सुविधा ("सुविधा") के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। हम गिरवी रखे गये स्वर्ण आभूषणों की एक ई-नीलामी 21 नवम्बर 2025 को आयोजित करने के लिये बाध्य हैं क्योंकि वे बकाया राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के ई-नीलामी तिथि को परिवर्तित करने / अकाउंट को हटाने के लिये अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12:30 बजे से अप. 3:30 बजे के बीच https://jewel-auction.procuretiger.com पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट लॉगइन करें। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी शर्तें कानूनी वारिसों के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : दिल्ली-19, नेहरू प्लेस	
418057000031	सुनील धराय
शाखा का नाम : दिल्ली-आसफ अली रोड	
235362001844	आकाश
शाखा का नाम : दिल्ली-बुराड़ी	
401462002646	सुनीता सुनीता
401462002752	चांदनी चांदनी
शाखा का नाम : दिल्ली-द्वारका चौक	
235557000035	अमित कुमार त्रिपाठी
235562002571	वरूण टिकू
235557000014	रोहित ए सिंह
शाखा का नाम : दिल्ली- जगतपुरी	
802157000003	सपना बत्रा
शाखा का नाम : दिल्ली-ओखला फेज-3	
182057000011	नारायण सिंह
शाखा का नाम : दिल्ली-पीतमपुरा पीयू ब्लॉक	
732157000005	असमा असमा
शाखा का नाम : दिल्ली-प्रताप बाग	
409362000549	सुनीता सुनीता
409357000009	अंकित जैन
शाखा का नाम : दिल्ली-कुतब इंस्टीट्यूशन एरिया	
410962000350	संघमित्रा होता
410962000351	संघमित्रा होता
410957000006	अनुपमा देवी
410957000007	भारत भारत
शाखा का नाम : दिल्ली-विकास मार्ग	
424862000472	अनुपम कुमारी

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : दिल्ली-अलकनंदा	
102357000016	आदिल हुसैन अंसारी
शाखा का नाम : दिल्ली-पुष्प विहार	
336062000752	हरजिन्दर सिंह
शाखा का नाम : दिल्ली-सरोजिनी नगर मार्केट	
348257000005	एकलक अहमद
शाखा का नाम : नई दिल्ली-चितरंजन पार्क	
757757000009	सुबिर दत्ता
शाखा का नाम : नई दिल्ली-द्वारका	
025062006825	त्रिलोक कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली-भजनपुरा	
136057000036	गफ्फार गफ्फार
शाखा का नाम : नई दिल्ली-कम्युनिटी सेंटर	
004657000362	सुदाई कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली-कनॉट प्लेस	
000762054243	राजेश खुल्लर
000762051441	रान्नी सिंह
शाखा का नाम : नई दिल्ली-डिफेंस कॉलोनी	
630062011540	कुलविन्दर सिंह
शाखा का नाम : नई दिल्ली-दिलशाद गार्डन	
113362002400	राकेश कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली-ईस्ट ऑफ कैलाश ब्लॉक-ए	
347562001436	जितेन्द्र कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली-जनकपुरी	
008762010265	गुरनीत सिंह जौहर
008762010583	गुरनीत सिंह जौहर
शाखा का नाम : नई दिल्ली-करोल बाग डब्ल्यूईए	
112962000841	सुखविन्दर सिंह

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नई दिल्ली-लाजपत नगर	
022557000026	अक्षय बंसल
शाखा का नाम : नई दिल्ली-लॉरेंस रोड	
083062003355	रितिका रितिका
शाखा का नाम : नई दिल्ली-मालवीय नगर	
113662002501	दिनेश कालरा
शाखा का नाम : नई दिल्ली-नारायणा विहार	
033562004436	गया राम तिवारी
शाखा का नाम : नई दिल्ली- रोहिणी	
629862028416	जगजीत जगजीत
शाखा का नाम : नई दिल्ली-रोहिणी - सेक्टर-24	
082862002645	प्रियंका मिश्रा
शाखा का नाम : नई दिल्ली-सफदरजंग एंक्लेव	
032262003221	एस कार चौधरी
शाखा का नाम : नई दिल्ली-शालीमार बाग	
036962004268	विरेन्द्र
शाखा का नाम : नई दिल्ली-उत्तम नगर	
112562003250	प्रिंस महेश्वरी
शाखा का नाम : बादली	
545762000028	सन्नी सन्नी
शाखा का नाम : ग्रेटर नोएडा - सेक्टर-01	
723862000837	रत्नेश कुमार पांडे
शाखा का नाम : कोलकाता-सिटरोड	
129462001274	पारूल चतुर्वेदी
शाखा का नाम : नोएडा-सेक्टर-78	
397562001255	पवन बेदी
शाखा का नाम : नोएडा-सेक्टर-61	
025362010050	नवाब मुर्तजा जैदी

दिनांक : 11.11.2025
स्थान : सेंट्रल दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली, शाहदरा, साउथ दिल्ली, साउथ-ईस्ट दिल्ली, साउथ-वेस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली, नई दिल्ली

हस्ता/-हस्ता/-प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

दिल्ली वायु प्रदूषण से बेहाल, एक्यूआई लगातार बेहद खराब श्रेणी में हो रहा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण से हाल बेहाल हो रहा है, कहीं से कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली का औसत वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) के अनुसार, सोमवार सुबह सात बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 345 दर्ज किया गया, जो हवा की बेहद खराब श्रेणी में आता है। इसके अलावा दिल्ली के कई क्षेत्रों में एक्यूआई 400 के करीब दर्ज हुआ। सीपीसीबी का कहना है कि दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण का औसत स्तर रविवार की तुलना में मामूली घट गया है। जहांगीरपुरी में 389, आनंद विहार में 379, अलीपुर में 360, एम्स के आसपास 378, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के करीब 310, अशोक विहार में 367, चांदनी चौक में 360, द्वारका में 356, दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास 305, आईटीओ में 376, नरेला में 368 और विवेक विहार में 363 एक्यूआई दर्ज किया गया। ऐसे में जहरीली धुंध ने राष्ट्रीय राजधानी को रेड जोन में पहुंचा दिया है। पर्यावरण जानकारों का कहना है कि दिल्ली में प्रदूषण के मुख्य कारणों में पंजाब व हरियाणा में पराली जलाना, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन और निर्माण कार्य आदि शामिल हैं। वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के लिए निर्णय सहायक प्रणाली (डीएसएस) के अनुसार, दिल्ली के प्रदूषण का 30 प्रतिशत हिस्सा पराली जलाने के कारण होता है, जबकि 15 प्रतिशत परिवहन क्षेत्र से आता है। इसके अलावा औद्योगिक उत्सर्जन और निर्माण कार्य शामिल हैं। लगातार बहुत खराब श्रेणी में बने हुए वायु प्रदूषण का दंश सबसे अधिक बच्चों और बुजुर्गों को झेलना पड़ रहा है। जबकि अलग अलग आयु के लोगों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदूषण के खिलाफ बुद्धिजीवियों ने किया प्रदर्शनः भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली की जहरीली होती जा रही हवा को लेकर सोमवार को भी पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी वर्ग भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। इंडिया गेट पर आयोजित प्रदर्शन में शामिल लोगों द्वारा आमंत्रित करने पर आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज समेत पार्टी के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इस दौरान पढ़े-लिखे लोगों द्वारा भाजपा सरकार से प्रदूषण कम कर स्वच्छ हवा देने की मांग की। सौरभ ने कहा कि दिल्ली में लगातार प्रदूषण बढ़ता जा रहा है लेकिन भाजपा सरकार एक्यूआई डेटा में फर्जीवाड़ा कर रही है। भाजपा सरकार के प्रति भरोसा कम होने की वजह से आज पढ़े लिखे लोग सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। सौरभ ने कहा कि मैं यहां एक दर्शक के तौर पर आया हूं। यह प्रदर्शन सिविल सोसाइटी के लोगों ने बुलाया है। उन्होंने कहा कि आप को बड़ी खुशी है कि प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर एक गैर-राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किया गया है और इसमें बहुत अच्छे पढ़े-लिखे विद्वान लोग शामिल हुए हैं।

मालीवाल ने प्रदूषण को लेकर सरकार से की समाधान सुझाने की अपील

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल दिल्ली में बढ़े प्रदूषण को लेकर काफी चिंतित हैं। उन्होंने सोमवार को लोगों, विशेषज्ञों और सरकार से समाधान सुझाने की अपील की है। वहीं उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनी सांसद निधि से सहायता दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी है। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली एक गैस चैंबर बन जाती है। यहां सांस लेना ऐसा है जैसे रोज़ 20–25 सिगरेट पीना। यह सिर्फ गंदी हवा नहीं, बल्कि धीमा जहर है जो हमारे फेफड़ों, दिल और बुज़ुर्गों, बच्चों को बीमार कर रहा है। मालीवाल ने वीडियो ट्वीट करते हुए बताया कि उन्होंने अपने सांसद निधि से प्रदूषण के असर को कम करने के लिए सहायता दी है। इसके तहत सभी वृद्धाश्रमों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे और एमसीडी को कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक स्वीपिंग मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि सड़कों की धूल और प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह समय सामूहिक सहयोग का है और अपील की कि विशेषज्ञ, डॉक्टर, पर्यावरणविद् और जागरूक नागरिक अपने सुझाव, शोध और व्यावहारिक विचार उनके साथ साझा करें।

आप द्वारा छोड़े गए प्रदूषण को कम करने में जुटी सरकार : सिरसा

नई दिल्ल। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सरकारी नीति की मांग को लेकर इंडिया गेट पर नागरिकों का विरोध प्रदर्शन आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आप द्वारा छोड़े गए जहर को कम करने के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। सिरसा ने दिल्ली की पिछली आप सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने पिछले 10 वर्षों में सब कुछ बर्बाद कर दिया। सिरसा ने कहा कि आप इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर रही है। लेकिन वे ही हैं जो यहां 10 साल का प्रदूषण देकर गए हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि यह प्रदूषण किसने दिया। क्या यह अपने आप हुआ, नहीं। आप ने 10 साल में सब कुछ नष्ट कर दिया। पिछले साल एक्यूआई 500-1000 था। उन्होंने हमें 10 साल की बीमारी दी। एक्यूआई हर साल बढ़ता रहा।

बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर प्रदूषण का गंभीर असर पड़ रहाः कांग्रेस

नई दिल्ल। दिल्ली में लगातार बिगड़ते वायु प्रदूषण के हालात ने नागरिकों का धैर्य तोड़ दिया है। राजधानी की हवा पिछले कई दिनों से ख़तरनाक स्तर पर दर्ज की जा रही है, जिसकी वजह से स्कूलों में बच्चों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है, बुज़ुर्गों और अस्थमा रोगियों की स्थिति और खराब हो रही है। इसी मुद्दे को लेकर कल बड़ी संख्या में दिल्ली वासी इंडिया गेट पर एकत्र हुए और सरकार से तुरंत ठोस कदम उठाने की मांग करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से सवाल उठाया कि आखिर हर साल दिल्ली को जहरीली हवा में जीने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ता है और अब तक प्रदूषण रोकने के लिए स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला गया। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि उन्हें शांतिपूर्वक अपनी बात रखने की भी अनुमति नहीं दी गई। इस घटना के बाद राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने इस पूरे मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रदूषण दिल्ली के लोगों की जान से जुड़ा मुद्दा है, लेकिन सरकार आंकड़ों की बाजीगरी करके प्रदूषण को कम दिखाने में लगी है। करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने भी कहा कि पिछले 11 वर्षों से आम आदमी पार्टी और अब पिछले 8 महीनों से दिल्ली की भाजपा सरकार और केंद्र सरकार दोनों ने मिलकर इस संकट को हमेशा नज़रअंदाज़ किया है। न तो उद्योगों और निर्माण कार्यों पर नियंत्रण के लिए पुख़्ता कदम उठाए गए हैं, न ही पराली प्रबंधन के लिए राज्यों में समन्वय सुनिश्चित किया गया है।

लाल किले के पास धमाका बेहद चिंताजनक सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : केजरीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार शाम लाल किले के पास कार में हुए जबरदस्त धमाके की आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ी निंदा की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत तमाम नेताओं इस घटना को बेहद दुखद बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लाल किले के पास हुए धमाके की खबर बेहद चिंताजनक है। बताया जा रहा है कि इसमें कुछ लोगों की जान भी गई है, ये बेहद दुखद है। पुलिस और सरकार को तुरंत इसकी जांच करनी चाहिए कि ये धमाका कैसे हुआ और क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। दिल्ली की सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उधर, दिल्ली में हुए बम

▪ पुलिस और सरकार को तुरंत इसकी जांच करनी चाहिए कि क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं

धमाके की कड़ी निंदा करते हुए आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि दिल्ली में हुए विस्फोट की खबर बेहद चिंताजनक है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रार्थना है कि दिल्ली और देश के सभी नागरिक सुरक्षित रहें। ऐसे समय में शांति और संयम बनाए रखना ही सबसे बड़ी ताकत है- आतंक और भय का जवाब हमारी एकजुटता से ही दिया जा सकता है। वहीं, वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि ऐसी घटिया हरकत पाकिस्तान ही कर सकता है। पीएम मोदी ने सीजफायर करके पाकिस्तानी दरिंदों का मनोबल बढ़ा दिया।

धमाके से दिल्ली मेट्रो सुरक्षित, बाहरी हिस्से के कांच टूटे, गेट नंबर 1 और 4 को किया गया बंद

नई दिल्ली। लाल किला के करीब हुए धमाके में लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहरी हिस्से में लग कांच टूट गए। लेकिन मेट्रो परिसर के अंदर व मेट्रो रेल को कोई नुकसान नहीं हुआ व पूरी तरह से सुरक्षित रही। इस बारे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अनुसार धमाके से लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहरी हिस्से में लगे कांच टूट गए, क्योंकि धमाका बहुत तेज था। डीएमआरसी के अनुसार धमाके के बाद पुलिस के सुझाव पर लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 और 4 को एहतियात के तौर पर अगले दिशा निर्देश तक बंद कर दिया गया। हालांकि अंदर मेट्रो परिचालन पूर्व की भांति चलती रही। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में और बढ़ा दी गई है। बता दें कि लाल किला मेट्रो स्टेशन भीड़ भाड़ वाले व्यस्त स्टेशनों में शामिल है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती पर स्वदेशी संकल्प के साथ की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105 वीं जयंती पर स्वदेशी संकल्प के साथ श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) व भामाशाह फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर भाजपा सांसद व व्यापारियों के संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने ठेंगड़ी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन और विचारों को नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने स्वदेशी अपनाओ आत्मनिर्भर भारत बनाओ का संकल्प भी लिया। अपने संदेश में खंडेलवाल ने कहा कि ठेंगड़ी न केवल भारतीय मजदूर संघ और भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे, बल्कि वे भारतीय अर्थ चिंतन के प्रखर मनीषी और स्वदेशी दर्शन के प्रणेता थे। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रीयता, श्रम, स्वावलंबन और आत्मगौरव के अद्भुत संगम का जीवंत प्रतीक रहा, और आज भी सार्थक मार्ग दिखाने वाला है। उन्होंने कहा की ठेंगड़ी का जीवन हमें यह सिखाता है कि भारत की आर्थिक आजादी का मार्ग केवल स्वदेशी से होकर ही जाता है।

सफाई में लापरवाही पर एमसीडी का सख्त एक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शाहदरा साउथ जोन के उपायुक्त बादल कुमार ने सफाई में लापरवाही बरतने वाले दो अधिकारियों - सफाई सुपरवाइजर और सफाई निरीक्षक का एक दिन का वेतन काटने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई वार्ड संख्या 195, कल्याणपुरी में स्थित खिचड़ीपुर रोड के मदर डेयरी बूथ के पास पड़ी भारी मात्रा में गंदगी के चलते की गई। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बाद जब उपायुक्त ने मौके का निरीक्षण किया तो क्षेत्र में कूड़े के ढेर मिले। जबकि पूर्व में हुई बैठकों में सभी सुपरवाइजर और निरीक्षकों को यह निर्देश दिया गया था कि सुबह 9 बजे से पहले हर वार्ड में सफाई पूरी कर ली जाए। उपायुक्त बादल कुमार ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए दोनों अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जो भी अधिकारी इसमें कोताही करेगा, उसके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई होगी।

सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज, जल्द सिंगल डिजिट का सितम करेगा परेशान

नई दिल्ली। सर्दी के इस सीजन में सोमवार को पहली बार न्यूनतम तापमान घटकर 10 डिग्री दर्ज के करीब दर्ज हुआ, जो इस मौसम में सबसे कम है। लेकिन जल्द ही राजधानी वालों को सिंगल डिजिट यानी 9 डिग्री से नीचे वाली कड़ाके की सर्दी परेशान कर सकती है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में औसत न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.9 डिग्री नीचे है। जबकि अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2.0 डिग्री नीचे है। आईएमडी के अनुसार उत्तर भारत में ठंड का असर दिखने लगा है जिसके चलते दिल्ली में सीजन का सबसे कम तापमान 10.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं निजी मौसम विज्ञान कंपनी स्काईमेट वेदर का कहना है कि दिल्ली के साथ ही उत्तर भारत में ठंड का असर बढ़ रहा है, हरियाणा, पंजाब और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में चला गया है।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा कार्यक्रम

फरीदाबाद से 14 नवंबर को रवाना होगी हिंद की चादर तीसरी यात्रा

सीएम के ओएसडी प्रभलीन सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 25 नवंबर 2025 को जिला कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों की संख्या में संगत भाग लेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी प्रभलीन सिंह ने आज गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर हिंद की चादर यात्रा को लेकर जिला के गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों के साथ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उनके साथ उपायुक्त विक्रम सिंह भी मौजूद रहे। ओएसडी प्रभलीन सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 25 नवंबर 2025 को जिला कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों की संख्या में संगत भाग लेगी।

खास बातें

- डीसी ने दिए यात्रा के दौरान सफाई, यातायात व सुरक्षा प्रबंधन के निर्देश
- डीसी ने हिंद की चादर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक की

एक माह तक श्री गुरु तेग बहादुर को समर्पित विविध आयोजन होंगे

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद से प्रारंभ होने वाली हिंद की चादर तीसरी यात्रा दिनांक 14 नवंबर को सेक्टर-15 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से रवाना होगी। यह यात्रा जिले के विभिन्न गुरुद्वारों से होते हुए गुरुग्राम, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, करनाल से गुजरकर कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि शोभा यात्रा के साथ-साथ जिलाभर में एक माह तक श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विविध आयोजन हो रहे है, जिनमें स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के लिए सेमिनार, क्विज प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन, संगोष्ठियों के साथ-साथ रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। डीसी ने निर्देश दिए हैं कि हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली यात्रा के दौरान सफाई , यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होए इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। यात्रा के दौरान सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। बैठक में एडीसी सतबीर मान, सीईओ जिला परिषद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य संबंधितअधिकारीगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हरियाणा ओलंपिक में छात्र ने जीता कांस्य पदक

गुरुग्राम । डीपीजी डिग्री कॉलेज के कला एवं मानविकी विभाग के बीए. प्रथम वर्ष के छात्र हेमंत राघव ने हरियाणा ओलंपिक खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मुक्केबाजी (90 किग्रा से अधिक भार वर्ग) में कांस्य पदक जीतकर कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 2 नवम्बर से 8 नवम्बर 2025 तक रोहतक में आयोजित की गई थी।हेमंत की यह उपलब्धि कॉलेज के लिए गर्व का विषय है। और यह संस्थान के विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा, मेहनत और समर्पण का परिचायक है।

हत्या के मामले में 1 और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। गांव भांखरी में हुई हत्या के मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने एक और आरोपी को काबू किया है।20-21 जुलाई की रात को दीपक निवासी गांव भांकरी के साथ गांव के ही महेंद्र उसके बेटे देवेन्द्र, राहुल व अन्य सोनू, रोहित उर्फ टोला, होराम, अन्नी उर्फ अनिल, ऋषि, ईश्वर, चमन व अन्य ने मारपीट की थी जिससे दीपक की मृत्यु हो गई। मामले में मृतक के भाई मोहित की शिकायत पर थाना डबुआ में हत्या से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

वाहन चोर गिरफ्तार बाइक बरामद

फरीदाबाद। अपराध शाखा ऊचा गांव की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर एक बाइक बरामद की है। एक महिला ने थाना सेक्टर-8 में दी शिकायत में आरोप लगाया की 23 अक्टूबर को उसके बेटे ने बाइक चोरी चली गई। शिकायत पर चोरी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मंत्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद सेक्टर-14 मुख्य द्वार का किया उद्घाटन, कहा-

शहर को आधुनिक, स्वच्छ व सुरक्षित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही सरकार

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि विकास कार्यों से स्थानीय निवासियों को बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा और क्षेत्र में आवागमन तथा स्वच्छता व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। सरकार का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से विकास को आगे बढ़ाना है, ताकि हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हों।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सर्वांगीण विकास यात्रा को निरंतर गति देते हुए हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने आज सेक्टर-14 स्थित मुख्य द्वार का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने सेक्टर-86, साईं कॉम्प्लेक्स ग्रेटर फरीदाबाद क्षेत्र में सीवर, टाइल्स एवं सडक़ निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन कार्यों पर कुल 1 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत आएगी।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि इन विकास कार्यों से स्थानीय निवासियों को बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार प्राप्त होगा और क्षेत्र में आवागमन तथा स्वच्छता व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से विकास को आगे बढ़ाना है, ताकि हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हों।

खास बातें

- 1.56 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास
- यातायात प्रबंधन एवं अपराध नियंत्रण में भी सहायता होगी

जल निकासी व सड़क चौड़ीकरण को लेकर काम हो रहा है

उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस जनता की आवश्यकताओं को समझते हुए योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने पर है, ताकि विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। गोयल ने बताया कि शहर में स्वच्छता, सीवर लाइनिंग, जल निकासी, सड़क चौड़ीकरण एवं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर अनेक परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए तथा जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि फरीदाबाद का विकास सबके सहयोग से ही संभव है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की तरक्की के लिए जनता और प्रशासन दोनों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वे व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं।

कार्यक्रम में सेक्टर-14 आरडब्ल्यूए प्रेसिडेंट दिलीप वर्मा, चेयरमैन अशोक जतवानी, चीफ एडवाइजर वीरेंद्र चहल, शम्मी कपूर, साईं कॉम्प्लेक्स सोसाइटी आरडब्ल्यूए प्रेसिडेंट प्रवीण भाटी, वाइस प्रेसिडेंट वेद राठी, जय भगवान भारद्वाज, आचार्य एल के मिश्रा तथा अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

92 हाई डेफिनिशन कैमरे

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि फरीदाबाद को आधुनिक, स्वच्छ और सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि नागरिक सुरक्षा और निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए सेक्टर-17 में 92 हाई डेफिनिशन कैमरे स्थापित किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि यातायात प्रबंधन एवं अपराध नियंत्रण में भी सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि विकास हमारा संकल्प है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एक जनकल्याणकारी, पारदर्शी और उत्तरदायी शासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हथियार उपलब्ध करवाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस द्वारा लगातार सफलता प्राप्त कर अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है, इसी कड़ी में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने पुलिस चौकी नवीन नगर के क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में हथियार उपलब्ध करवाने वाले आरोपी संतोष व सागर उर्फ शूटर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस चौकी नवीन नगर में 17 मई को सूरज की हत्या की शिकायत प्राप्त हुई, कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने दो आरोपी रोहन उर्फ गुल्लू व आकाश को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया गया था, दौराने रिमांड उन्होंने बताया कि संतोष के कहने पर सागर उर्फ शूटर ने उन्हें हथियार उपलब्ध करवाया था। सूचना के आधार पर ऑपरेशन ट्रेकडाउन के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने हथियार उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **नईम उर्फ इरफान,** पुत्रः श्री सलीम, **पताः** गांव **बीबीपुर,** थाना–**सिजलैत,** पीओ–**अकबनपुर,** जिला **मुरादाबाद, यू.पी.,** ने **FIR No.: 255/2011, U/s: 279/337/304A IPC & 3/181 M.V. Act,** थानाः बुराड़ी, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **नईम उर्फ इरफान,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **नईम उर्फ इरफान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 255/2011, U/s: 279/337/304A IPC & 3/181 M.V. Act,** थानाः बुराड़ी, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **नईम उर्फ इरफान,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पायल सिंगल, एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–09
जिला केन्द्रीय, कमरा न. 286
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14987/N/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इंद्र कुमार, पताः म.नं. जे–133, गली नं. 11, करतार नगर, घोंडा, नई दिल्ली–53** ने **CC No. 3293/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना देशबंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इंद्र कुमार** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इंद्र कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 3293/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना देशबंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** केअभियुक्त **इंद्र कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)–01
केंद्रीय, कमरा नं. 201, एनेक्सी–II
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15096/CD/2025

फरीदाबाद के सूरजकुंड में 17 नवंबर को होगी उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक आगामी 17 नवंबर को फरीदाबाद के सूरजकुण्ड में होगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह करेंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से इस बैठक की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की गई। रस्तोगी ने बताया कि इस बैठक में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप.राज्यपाल तथा मुख्य सचिव शिरकत करेंगे। इसमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख शामिल हैं।

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के उपरान्त मंडल आयुक्त संजय जून ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं को उच्चतम स्तर पर सुनिश्चित किया जाए।

सांसद की अध्यक्षता में विधायक खेल स्पर्धा की बैठक

विधायक खेल स्पर्धा में रजिस्ट्रेशन के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाज़ियाबाद

विकास भवन में सोमवार को सांसद की अध्यक्षता में विधायक खेल स्पर्धा के संबंध में मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक हुई। बैठक में खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन कराने के लिए रूपरेखा तैयार करने का सुझाव दिया गया। इसके साथ खिलाड़ियों के लिए सभी प्रकाश की व्यवस्था कराने के लिए कहा गया। बैठक में सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि प्रत्येक विधान सभा की खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन कराने के लिए एक रूप रेखा तैयार की जाए।आयोजन स्थल पर सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं कराई जाएं। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने क्षेत्रवार विधायकों से आयोजन स्थल और आयोजन तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए।

नगर निगम द्वारा प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्यवाही

काटे 338 चालान, किया करीब 5 लाख से ज्यादा का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडग़टा के निर्देशानुसार स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की गई है।

नगर निगम द्वारा पिछले दिनों विभिन्न श्रेणियों में कुल 338 चालान जारी किए गए, जिन पर कुल 5,38,561 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर एवं स्पेशल सैनिटेशन ऑफिसर एशवीर सिंह के नेतृत्व में निगम की टीम द्वारा सडक़, नाले, सीवर, खुले प्लॉट या सार्वजनिक स्थान पर नगर निगम कचरा फेंकने पर करीब 135 चालान कर लगभग 1,75,501 का जुर्माना किया है। जबकि प्लास्टिक कैरी बैग या प्लास्टिक से बने सामानों के उपयोग पर 115 चालान कर लगभग 90005 का जुर्माना किया है। अन्य प्रकार के उल्लंघनों पर करीब 30 चालान कर लगभग 1,66,000 का जुर्माना किया गया है। इसके अलावा बिल्डिंग मटीरियल गलत स्थान पर डालने पर 4 चालान कर 21,500 का जुर्माना किया। यही नही खुले में शौच पर 19 चालान कर 7,505 का जुर्माना किया।

निगम द्वारा गार्डन या घरेलू कचरा जलाने पर भी 18 चालान कर 54,500 का जुर्माना किया गया। निगम की टीम ने स्लज वाटर टैंकर से अनाधिकृत डिस्चार्ज पर 2 चालान कर 7,500 का जुर्माना किया गया है। इसके अलावा पशुओं का गोबर या अवशेष खुले में डालने पर 3 चालान कर 5502 का जुर्माना किया है

मांस का अवैध विक्रय करने पर 8 चालान कर 5,004 का जुर्माना किया।

Dynamic Portfolio Management & Services Limited
CIN: L74140DL1994PLC304881,
Registered Office : 1403, Vikram Tower 16, Rajendra Place, New Delhi - 110008
Website: http://dynamicwealthservices.co.in / Phone: 9017255300, Email: dpms.kolkata@gmail.com

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED 30TH, SEPTEMBER , 2025

Sl No	Particulars	FOR THE QUARTER ENDED As On 30.09.2025	Corresponding 3 Months ended in the previous Year as on 30.09.2024	Prceeding 3 Months Quarter Ended 30.06.2025	Year to Date Figure as on 30.09.2025	Previous Year Ending 31.03.2025
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from Operations (net)	21.58	0.09	15.51	17.86	78.30
2	Net Profit / (Loss) For the period before tax (before Extraordinary Items)	2.34	(15.59)	15.51	17.86	16.78
3	Net Profit / (Loss) For the period before tax (after Extraordinary items)	2.34	(15.59)	15.51	17.86	16.78
4	Net Profit / (Loss) For the period after tax (after Extraordinary items)	2.34	(15.59)	15.51	17.86	16.78
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising profit / (Loss) for the period (after tax) and other comprehensive income (after tax)]	1.75	(15.59)	11.62	13.38	12.33
6	Equity share capital @ Rs. 10/- each	1,161.29	1,161.29	1,161.29	1,161.29	1,161.29
7	Reserve (excluding Revaluation Reserves as per balance sheet of previous accounting year)	-	-	-	-	-
8	Earnings Per Share (of Rs. 10 each)					
	Basic :	0.02	(0.13)	0.10	0.12	0.11
	Diluted :	0.02	(0.13)	0.10	0.12	0.11

Notes:

1) The above quarterly results have been approved by the audit committe and approved by the Board of Directors in its board meeting held as on 23rd July, 2024 and the same is filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
2) The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange website i.e. www.bseindia.com and on the Company's website i.e. www.dynamicwealthservices.co.in
3) The above financial results of the Company have been prepared in accordance with Indian Accounting Standards ('Ind AS') notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 as amended by the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2016 and accordingly, these financial results together with the results for the comparative reporting period have been prepared in accordance with the recognition and measurement principles laid down in Indian Accounting Standard 34 "Interim Financial Reporting" ("Ind AS 34"), prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013 ("the Act"), and other recognized accounting practices generally accepted in India and in compliance with Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended (the "Listing Regulations"). Any application guidance / clarifications / directions issued by the Reserve Bank of India or other regulators are implemented as and when they are issued / applicable.
4) In compliance with Regulation 33 of the Securities Exchange Board of India ("SEBI") (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a limited review of financial results for the quarter ended 30th June 2023 has been carried out by the Statutory Auditors.
5) The Company is in the business of NBFC and as such there are no separate reportable segments as per Indian Accounting Standard "Operating Segments" (Ind AS 108) and thus, segment reporting under Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 is not applicable. Hence, information relating to primary segment (including segment revenue, segment results, segment assets and segment liabilities) are not required to be disclosed.
6) Previous period / year figures have been regrouped / reclassified, wherever found necessary, to confirm to current period / year classification.

For and on behalf of the Board of Directors
Dynamic Portfolio Management & Services Limited
Sd/-
Rajesh Gupta
Director
DIN: 00025324

Place : New Delhi
Date : 10.11.2025

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पाडरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी-सह-आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदारों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (''आईसीआईसीआई बैंक'') से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्वर्ण आभूषणों के तहत सुविधा (''सुविधा'') के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। हम गिरवी रखे गये स्वर्ण आभूषणों की एक ई-नीलामी 21 नवम्बर 2025 को आयोजित करने के लिये बाध्य हैं क्योंकि वे बकाया राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के ई-नीलामी तिथि को परिवर्तित करने / अकाउंट को हटाने के लिये अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12:30 बजे से अप. 3:30 बजे के बीच https://jewel-auction.procuretiger.com पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट लॉगइन करें। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी शर्तें कानूनी वारिसों के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : आदमपुर	
085962006195	सूरज ना
शाखा का नाम : अग्रोहा	
093362004875	संदीप संदीप
शाखा का नाम : अम्बाला कैंट	
049862005205	कुलविन्दर सिंह
शाखा का नाम : अम्बाला – निकलसन रोड	
635262602351	शिव दीप रत्तन
635262602398	ममता देवी
शाखा का नाम : अम्बाला – नॉवल्टी चौक	
373062000680	अब्दुल कादिर
शाखा का नाम : अटेली	
451462000038	अमित यादव
451462000050	कृष्ण कुमार
शाखा का नाम : बाबियां	
215362001454	परमजीत*
215362003118	विक्रम सिंह
शाखा का नाम : बादली	
545762000028	सन्नी सन्नी
शाखा का नाम : बालसमंद	
661257015034	राजकुमार
शाखा का नाम : बराड़ा, हरियाणा	
359562002020	नीरज कुमार
शाखा का नाम : बरवाला – मेन मार्केट	
396762000579	सुखबीर सुखबीर
शाखा का नाम : बरवाला, हरियाणा	
359062001993	दिलबाग डी
शाखा का नाम : बावल	
349862000742	आकाश ना
349862000747	सोनू सोनू
शाखा का नाम : बेरी	
403762000684	रोहित कुमार
403762000688	रोहित कुमार
शाखा का नाम : बीधल	
373562000349	पिंकी पिंकी
शाखा का नाम : धारूहेड़ा	
162962001951	सीमा रानी
162962002188	ज्ञान चंद
162957000011	आशु शर्मा
शाखा का नाम : ऐलनाबाद, हरियाणा	
359462002982	दारा सिंह
359462002984	दारा सिंह
शाखा का नाम : फरीदाबाद – एनआईटी	
102557000180	लता देवी
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सेक्टर-16	
008362019065	विक्रम ओहरी
008362018010	विकास कुमार
008362018140	प्रभजीत सिंह
शाखा का नाम : गुड़गांव – गोल्ड सौक	
245062001308	बिस्वनाथ गुच्छैत
शाखा का नाम : गुड़गांव – आईएमटी मानेसर	
035857000155	हर पाल

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : गुड़गांव – न्यू रेलवे रोड	
424462000798	सुरभि ना
424457000013	भूमिका प्रधान
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-86	
489557000004	दीपक शर्मा
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-10ए	
114662002940	नीलू देवी
शाखा का नाम : गुड़गांव – सोहना	
091162001191	ओमप्रकाश
शाखा का नाम : गुड़गांव – यूनिवर्सल ट्रेड टावर	
165157000082	प्रद्युम्न चित्रांशी
शाखा का नाम : गुरूग्राम – सेक्टर-15 पार्ट-II,	
114805002034	जतिन अरोड़ा
शाखा का नाम : गुरूग्राम – सेक्टर-37सी	
432157000004	गौरव कुमार
शाखा का नाम : हेली मण्डी	
282662001004	काजल काजल
282657000015	धीरज चौधरी
शाखा का नाम : हांसी	
184462004866	नरेन्द्र नरेन्द्र
शाखा का नाम : हरसरू	
480157000012	चन्द्र प्रताप सिंह
शाखा का नाम : हरियाणा – रेवाड़ी	
062662002965	मोनिका मोनिका
शाखा का नाम : जीन्द – अनाज मण्डी	
451362000101	अमन अमन
शाखा का नाम : कैथल जीन्द रोड	
360262000569	विजय कुमार
शाखा का नाम : काखेरी	
456162000182	कमलजीत कौर
शाखा का नाम : कालका	
086262002739	कमलदीप सिंह
086262002710	मंजीत सिंह
086257000006	तुषार एस शर्मा
शाखा का नाम : करनाल	
017362006759	गुरुदीप सिंह
शाखा का नाम : करनाल-सेक्टर-3	
248062001408	मनीष कुमार
शाखा का नाम : कोसली	
451562000164	गीता देवी
451562000167	अजीत अजीत
शाखा का नाम : लाडवा, हरियाणा	
359162003093	रघुनिरेन्द्र सिंह
शाखा का नाम : महलौरा	
204262001326	रवि कुमार
शाखा का नाम : मण्डी डबवाली	
197862001640	जगसीर सिंह
197862006449	पुरषोत्तम पुरषोत्तम
शाखा का नाम : मानेसर	
661862601383	सरिता यादव

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नारायणगढ़	
093162004987	दीपचंद
093162005755	कोमल रानी
शाखा का नाम : नारनौल	
159062001358	नीरज***
159062003798	श्रीमती दयावती
159062003799	राजकुमार सिंह
शाखा का नाम : नारनौंद	
381862001031	राजेश राजेश
शाखा का नाम : पंचकूला – सेक्टर-16	
184562000747	बृजेश कुमार
शाखा का नाम : पंचकूला – सेक्टर-2	
251157000008	अश्विनी राहुल पाटिल
शाखा का नाम : पानीपत	
017462010791	संदीप कुमार
शाखा का नाम : पिपली	
093462003875	ओंकार जीत सिंह
शाखा का नाम : रोहतक – औद्योगिक क्षेत्र	
342262000882	शीला शीला
शाखा का नाम : सांपला	
073262003253	श्वेता श्वेता
शाखा का नाम : शाहबाद	
073162003309	कृष्णा सनराइज एसोसिएट्स
073157000043	सौरभ सौरभ
शाखा का नाम : सिरसा	
073362002909	राकेश कुमार
शाखा का नाम : सोनीपत – सेक्टर-15	
252662000443	संगीता संगीता
252662000918	बिजेन्द्र कुमार
शाखा का नाम : टोहाना	
282862003322	गुरप्रीत सिंह
282862003582	विनोद कुमार
शाखा का नाम : तोशाम	
419062000698	मीनाक्षी मीनाक्षी
शाखा का नाम : उचाना	
377262001637	राजेश कुमार
377262001705	इन्तवारी***
शाखा का नाम : यमुनानगर	
024762005541	साहिल बालियान
शाखा का नाम : अलवर	
028557000057	यतिन सेतिया
शाखा का नाम : बादली – साई रोड	
658962600705	मंसूरी ब्रदर्स कंराल्टेटूरा
शाखा का नाम : भिवाड़ी	
050962003709	ओमप्रकाश
शाखा का नाम : नई दिल्ली – लॉरेंस रोड	
083062003355	रितिका रितिका
036962004268	विरेन्द्र
शाखा का नाम : पिलानी	
153862005161	अभय*
शाखा का नाम : राजगढ़ चूरू	
535262000147	सत्यवान*

दिनांक : 11.11.2025
स्थान : अम्बाला, भिवानी, गुरुग्राम, हिसार, जीन्द, करनाल, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, पानीपत, झज्जर, फतेहाबाद, यमुनानगर, गुड़गांव, धारूहेड़ा

हस्ता/-
प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पेज एक का शेष

भारत-वियतनाम के...

दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं, दूसरी ओर संवाद के कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी सामने आए हैं। जिनमें दोनों मित्र देशों के बीच साझा रूप से पनडुब्बी खोज, बचाव सहायता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा रक्षा उद्योग के मामले में सहयोग को और अधिक मजबूती देने के आशय से जुड़े हुए एक पत्र पर भी दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। संवाद का अगला यानी 16 वां संस्करण भारत में 2026 में आयोजित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त संवाद के दौरान दोनों पक्षों ने हाइड्रोग्राफी सहयोग, क्षमता विकास, प्रशिक्षण, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों सहित बंदरगाह पर लंगर डालने, अहम क्षेत्रों में जहाजों की यात्रा व सहयोग जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति को लेकर संतुष्टि जाहिर की है। साथ ही एआई और शिपयार्ड उन्नतीकरण का मामला भी वार्ता का हिस्सा बना। रक्षा सचिव की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूती मिलेगी।

वियतनाम के रक्षा मंत्री से हुई मुलाकात: मंत्रालय के मुताबिक, बैठक के बाद रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान गियांग से भी मुलाकात की और उन्हें 15 वें संवाद में हुए प्रमुख निर्णयों के बारे में अवगत कराया। बताते चलें कि डीपीडी दोनों देशों की रक्षा भागीदारी की समीक्षा के साथ ही इस संबंध में जरूरी मार्गदर्शन हासिल करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। जिसकी मदद से भारत- वियतनाम संयुक्त विजन स्टेटमेंट 2030 को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। दोनों देशों की व्यापक सामरिक भागीदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को माना जाता है। भारत की पूर्व की ओर देखो नीति और हिंद-प्रशांत विजन में भी वियतनाम की बेहद अहम भूमिका है।

दिसंबर में होगी ...

दोनों देशों के बीच तकनीक हस्तांतरण, उच्च तकनीक और उससे जुड़े मुख्य क्षेत्रों को प्राथमिकता देने, संयुक्त खोज अभियान, संयुक्त वेंचर, उपकरणों की खरीद, रक्षा उत्पादन से जुड़े मटेरियल के साथ-साथ विशेषज्ञों के आदान-प्रदान और सैन्य उपकरणों के उत्पादन से जुड़ा हुआ है। जिसे लेकर दोनों देशों के रक्षा उत्पादन विभाग अगले दिसंबर महीने में एक बैठक का आयोजन करेंगे।

बाजरा आंदोलन को ...

पोषण करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, बाजरे को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। उन्होंने वैज्ञानिकों से अनुसंधान और प्रसंस्करण तकनीकों पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया और कहा कि बाजरे की खेती अन्य फसलों की तुलना में लागत प्रभावी है। उन्होंने कहा, बाजरे की मूल्य श्रृंखला में प्रसंस्करण सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। मैं ओडिशा की सराहना करता हूं कि उसने न केवल बाजरे के प्रचार-प्रसार में बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर श्री अन्न की खरीद में भी देश को दिशा दिखाई है। ओडिशा एक प्रेरक उदाहरण है। कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की महानिदेशक डॉ. यवोन पिंटो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक और एमएस स्वामीनाथन रिसोर्स फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सौम्या स्वामीनाथन, विश्व खाद्य कार्यक्रम की भारत में कंट्री डायरेक्टर मिस एलिजाबेथ फॉरे, ओडिशा सरकार के कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अरबिंद कुमार पाधी, कृषि एवं कृषक सशक्तिकरण विभाग के निदेशक शुभम सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और शोधकर्ता उपस्थित थे।

सदन में सुनियोजित ....

ओम बिरला ने सदन की गरिमा बनाए रखने का मज़बूती से समर्थन किया और कहा कि विधायी कार्यवाही का व्यवस्थित संचालन सर्वोपरि है। संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुये बिरला ने इन समितियों को 'लघु संसद' बताया। इससे पहले, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र, जोन-III सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, अध्यक्ष बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विधानमंडलों को जनमत को नीति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। विधानमंडलों का दायित्व मात्र कानून बनाने तक ही सीमित नहीं है—बल्कि उन्हें लोगों की आकांक्षाओं और सरोकारों को कार्यान्वयन-योग्य नीतियों का रूप भी देना है। उन्होंने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विधानमंडलों में हो रहे उल्लेखनीय डिजिटल परिवर्तन की सराहना की और इसे आधुनिक और पारदर्शी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विशेष रूप से नागालैंड विधान सभा के पूरी तरह से पेपरलेस विधानमंडल बनने पर इसकी प्रशंसा की और इसे भारत में डिजिटल शासन का एक अग्रणी मॉडल बताया। कार्यक्रम के दौरान, नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, नागालैंड विधान सभा के अध्यक्ष शारिंगेन लोंगकुमेर और नागालैंड सरकार के संसदीय कार्य मंत्री के.जी. केन्ये ने भी सभा को संबोधित किया। भारत के आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों के विधानमंडल सीपीए ज़ोन 3 के सदस्य हैं। इस सम्मेलन में इस ज़ोन के 8 सदस्य राज्यों में से 7 विधानमंडलों ने भाग लिया। सम्मेलन में कुल 12 पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें 7 अध्यक्ष और 5 उपाध्यक्ष शामिल थे। इस क्षेत्र के संसद सदस्यों और विधान सभाओं के सदस्यों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

25 नवंबर को ...

को यह सभी यात्राएं कुरूक्षेत्र पहुचेंगी और 25 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती ....

है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में किए गए कामों की तुलना करें और बताएं उनके राज में किए गए कामों में कितना अंतर है। ईवीएम और चुनाव आयोग पर आरोप लगाना बेहद गलत है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उनके पास तथ्य नहीं है, सिर्फ झूठ बोलकर मुद्दों को खड़े करने का काम कर रहे हैं।

अभिनेता धर्मेंद्र की....

प्रकाश कौर से उनकी दोनों बेटिया- अजीता (जो अमेरिका में रहती हैं) और विजेता (जो लंदन में रहती हैं)तबीयत की खबर सुनते ही वहां से निकल चुकी हैं। दोनों बेटे सनी व बॉबी देओल भी अस्पताल पहुंच चुके हैं। हेमामालिनी फिलहाल अस्पताल में ही हैं।

यूएन का मैनडेट....

शामिल है। इस वर्ष हेलीकॉप्टरों के साथ ही मित्र शक्ति में ड्रोन और काउंटर यूएवी की भी भागीदारी देखने को मिलेगी। भारत और श्रीलंका की सेना संगठित कदमों जैसे रेड, खोज और विध्वंस करने वाले मिशन, हवाई अभियानों का भी साथ में अभ्यास करते हुए नजर आएंगे। सेना का मार्शल आर्ट रूटीन, कॉम्बेट शूटिंग और योग का नजारा भी इस सैन्य कार्रवाई में देखने

यूं होगा हेलीपैड ....

को बढ़ाना और जीवन तथा संपत्ति के जोखिम को कम करना रहेगा। सैन्य गतिविधि का यह लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के भी केंद्र में रहता है। संयुक्त ड्रिल और विचारों का आदान-प्रदान भी इस अहम सैन्य गतिविधि के दौरान किया जाएगा। जिसका संबंध दोनों सेनाओं के युद्धक कौशल और उससे संबंधित एक-दूसरे की अच्छी आदतों को आत्मसात करने से जुड़ा हुआ है। यह युद्धाभ्यास भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। साथ ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को भी मजबूती प्रदान करेगा।

जैकेट का शेष....

लाल किला मेट्रो...

और अफरातफरी फैल गई: सूचना पर दमकल की कुल 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सबने मिलकर आग पर काबू पाया गया। लेकिन, तब कर कई शरीरों के टुकड़े इधर-उधर बिखर गए थे। ऐसे में इन टुकड़ों को देखकर और धमाका सुनकर अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। विस्फोट के बाद दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। यह धमाका हाई इंटेंसिटी का था।

चांदनी चौक मार्केट को बंद कर दिया गया है। लाल के आसपास के पूरे इलाके और सड़कों को बंद कर दिया गया है... पहले भी धमाकों से दहल चुकी दिल्ली 2005 की घटना में गई थी 60 की जान

नई दिल्ली। दिल्ली में पहले भी कई बार बम धमाके हो चुके हैं। सात ऐसे मामले, जब दिल्ली में धमाके हुए और लोगों के जान माल को नुकसान पहुंचा। 29 अक्टूबर 2005 को दिवाली से ठीक पहले दिल्ली के तीन इलाकों पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 60 लोगों की जान गई थी, जबकि 200 से अधिक घायल हुए थे।

दिल्ली में पहले कब-कब धमाके...
1. सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट: 7 सितंबर 2011 को दिल्ली उच्च न्यायालय के गेट नंबर 5 के बाहर हुए धमाके में 15 लोगों की मौत हो गई और 79 घायल हो गए थे।
2. सितंबर 2008 में दिल्ली सीरियल ब्लास्ट: 13 सितंबर 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार बम धमाके हुए। यह धमाके करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश-1 जैसे प्रमुख बाजारों में हुए, जिनमें कई लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए।
3. अक्टूबर 2005 में दिल्ली में सिलसिलेवार धमाके: 29 अक्टूबर 2005 को दिवाली से ठीक पहले पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में तीन सिलसिलेवार धमाके हुए, जिनमें 60 से ज़्यादा लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हुए थे।
4. जून 2000 में लाल किले के पास दो बम धमाके: 18 जून 2000 को लाल किले के पास दो बम विस्फोट हुए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी।
5. मई 1996 में लाजपत नगर में धमाका: 21 मई 1996 को लाजपत नगर बाजार में हुए बम विस्फोट में 13 नागरिकों की मौत हो गई।

कार के मालिक सलमान ...

और को बेच दी थी। जिसका रजिस्ट्रेशन 2014 में गुरुग्राम के पते पर हुआ था। कार की बिक्री और हस्तांतरण की कड़ियां जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि धमाके के वक्त यह कार किसके कब्ज़े में थी और इसका असली मालिक कौन है।

360 किलोग्राम ...

गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह एक संयुक्त ऑपरेशन है जो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बीच चल रहा है। इस ऑपरेशन के तहत, फरीदाबाद के धौज में एक आरोपी डॉ. मुजम्मिल को पकड़ा गया है। रविवार को लगभग 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया है। यह आरडीएक्स नहीं है। पुलिस ने छानबीन में अल्फलाह मेडिकल कॉलेज से 3 किलोमीटर आगे फतेहपुर तगा गांव में इमाम के घर रेड शुरू की। फतेहपुर तगा गांव से भी 2550 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया है। यानी, कुल 2910 किलो। ये मकान भी मुज्जमिल ने ही 3 महीने से किराए पर लिया हुआ था। गिरफ्तार किए गए दो व्यक्तियों में एक डॉक्टर और एक मुस्लिम इमाम शामिल हैं। इमाम की पत्नी ने बताया कि उनके पति को पुलिस ले गई है। जो पिछले 20 साल से मस्जिद में सेवा दे रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि डॉक्टर साहब (मुज्जमिल) हर दिन पांच बार नमाज पढ़ने आते थे और वह कश्मीर से ताल्लुक रखते हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केपी मौर्य ने कहा कि देश के सुरक्षा एजेंसियां राष्ट्र के दुश्मनों का पता लगा रही हैं। यह देश में एक बड़े हमले की साजिश थी। आतंकवाद मुक्त भारत की दिशा में यह एक बड़ी सफलता है। इस मामले पर यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सब कुछ टच एंड गो जैसा था। यह एक वेकअप कॉल है कि दुश्मन हमारे दरवाजों के अंदर है। यदि वे तीन क्विंटल विस्फोटक सामग्री की तस्करी कर सकते थे, तो कल्पना कीजिए कि इसका विनाशकारी प्रभाव क्या होता और 300 किलो की विनाशकारी शक्ति कितनी होती। जेईएम ने अपने काम को उन्नत किया है कि वे अब डॉक्टरों, स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा वाले स्नातकोत्तर डॉक्टरों को स्लीपर सेल के रूप में शामिल कर रहे हैं। बीते रविवार को गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इन संदिग्धों के पास से भारी मात्रा में हथियार, कारतूस और रासायनिक जहर बनाने की सामग्री बरामद हुई।

गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी...
- आरिफ निसार दर साहिल, नौगाम, श्रीनगर
- यासिर-उल-आशरफ, नौगाम, श्रीनगर
- मकसूद अहमद दर शाहिद, नौगाम, श्रीनगर
- मौलवी इरफान अहमद, शोपियां
- जमीर अहमद आहंगर मुत्लाशा, वाकुरा, गांदरबल
- डॉ. मुजम्मिल अहमद गनाई मुसायब, कोइल, पंपोर
- डॉ. आदिल, वानपोरा, कुलगाम

राइसिन जहर तक बना रहे थे आरोपी: गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर हैदराबाद के सैयद अहमद मोहिउद्दीन नाम के एक व्यक्ति के आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और अहमदाबाद आने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान, अहमदाबाद में उसकी गतिविधि का पता चला और उसे अडालज के पास एक टोल प्लाजा पर गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से दो ग्लॉक पिस्टल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 जिंदा कारतूस और 4 लीटर अरंडी का तेल बरामद किया गया। गिरफ्तार सैयद अहमद मोहिउद्दीन, जिसकी उम्र 35-36 साल बताई जा रही है, ने चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। उसकी मंशा एक ऐसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की थी जिससे भारी नुकसान हो सके। वह कई विदेशियों के संपर्क में था और अबू खदीजा नाम की एक टेलीग्राम आईडी से जुड़ा था, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि वह इस्लामिक स्टेट - खुरासान प्रांत से संबंधित है। मोहिउद्दीन ने राइसिन नामक एक अत्यंत घातक रासायनिक जहर बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। यह जहर अरंडी के बीजों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट पदार्थ से बनाया जाता है। वह कलोल से हथियार की खेप लेने अहमदाबाद आया था।

प्रशांत किशोर का बड़ा दावा, बोले-

जाति, धर्म और पैसे से नहीं पड़ा है वोट

एजेंसी ▶▶ बेतिया

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार की जनता अब विकास और सुशासन को प्राथमिकता दे रही है। वे सोमवार को पश्चिमी चंपारण के बेतिया में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि इस बार के चुनाव में मतदाताओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया है, जो संकेत देता है कि लोग बदलाव चाहते हैं और एक नए बिहार की

किस ओर इशारा कर रही है इस बार की वोटिंग ?

प्रशांत किशोर ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार राज्य में इतनी बड़ी संख्या में वोट डाले गए हैं। यह न सिर्फ चुनावी उत्साह है बल्कि यह ये बात भी बात रहा है कि वे जाति और धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर एक बेहतर समाज और साफ-सुथरी शासन व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहती है।

नहीं चलेगी पुराने ढर्रे की राजनीति: प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर ने कहा, "हमें यकीन है कि बिहार की जनता आने वाले समय में जाति, धर्म और पैसे से ऊपर उठकर एक अच्छे समाज के लिए वोट देगी। लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में वोट दिया है ताकि बिहार से भ्रष्टाचार खत्म हो।" उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता ही सबसे बड़ा फैसला करती है और इस बार जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वे अब पुराने ढर्रे की राजनीति नहीं चाहती।

चिंतन

आतंकवाद के आकाओं को सहन नहीं कश्मीर की शांति

विदेशी धरा पर बैठे आतंकियों के आकाओं से कश्मीर की शांति सहन नहीं हो पा रही। वे रह-रहकर ऐसे प्रयास कर रहे हैं कि किसी भी तरह से एक बार फिर घाटी को आतंकवाद के गर्त में धकेला जा सके। जम्मू-कश्मीर में अक्टूबर 25 वर्षों में सबसे शांतिपूर्ण और 2025 का अब तक का सबसे शांत महीना रहा। इस महीने में केवल दो लोगों की हत्या की सूचना मिली। ये दोनों भी आतंकवादी थे। उनको सुरक्षा बलों ने कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पार घुसपैठ की कोशिश के दौरान मार गिराया। पूरे महीने में किसी भी नागरिक या सुरक्षा बल के हताहत होने की खबर नहीं आई। यह 2000 के बाद से सबसे शांतिपूर्ण माह रहा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू और कश्मीर शांति की राह पर हैं। कश्मीर घाटी के चारों ओर तरक्की की बातें हो रही हैं। कभी पाकिस्तान का राग अलापने वाले आज आतंकवाद विरोधी दिख रहे हैं। यहां का युवा पत्थरबाजी-प्रदर्शन को छोड़ अब अमन से बैठ गया है। वह धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर के लिए विकास चाहता है और उन्हें पता है कि देश विरोधी लोग उन्हें इस्तेमाल करते थे, जो अब नहीं होगा। कश्मीरी युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करना चाहता है। यहां की आबोहवा अब बदल चुकी है। पूरे जम्मू कश्मीर में आतंक के गढ़ रहे इलाकों से सरहद तक अमन की बयार बह रही है। गांवों-शहरों में सरकारी इमारतों से लेकर सरहद तक हर ओर तिरंगा लहरा रहा है, यहां तक कि लाल चौक पर भी तिरंगा देखने को मिलता है। आतंकवाद को दरकिनार कर युवा पीढ़ी काम-धंधे में जुटने लगी है। पिछले दिनों सेना में भर्ती होने के लिए कश्मीर और जम्मू में बड़ी-बड़ी कतारें देखी गईं। कश्मीर में बच्चे सड़कों में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। आतंक की वजह से पीर पंजाल की सेवन लेक्स पर भी लोगों की आवाजाही कम हो गई थी, अब लोग जा रहे हैं। आतंकियों के आकाओं से यही सहन नहीं हो पा रहा। घाटी में कड़ी सुरक्षा है तो वे अब घाटी से बाहर आतंकवाद का साजो सामान जुटाने की फिराक में हैं ताकि किसी भी समय कश्मीर को फिर से आग की लपटों में धकेला जा सके, लेकिन हमारे सुरक्षा बल उनके हर प्रयास को विफल कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। गिरफ्तार डॉक्टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। पुलिस ने लखनऊ से भी एक महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया गया है। शाहीन डॉक्टर मुजम्मिल शकील की महिला मित्र है। मुजम्मिल, डॉक्टर शाहीन की कार इस्तेमाल करता था। शाहीन की कार से ही एके-47 राइफल, जिंदा कारतूस और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई। जम्मू कश्मीर पुलिस ने अब तक कुल 2900 किलो बम बनाने की सामग्री बरामद की है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसर गजवात-उल-हिंद जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ा हुआ था, जो घाटी में दहशतगर्दी फैलाने की फिराक में थे। सुरक्षा बलों ने यह बेहतरीन काम किया है, लेकिन जरूरत है कि उन लोगों का पक्का इलाज किया जाए, जो दूर रहकर आतंक को हवा देने की कोशिशों में जुटे हैं। तभी कश्मीर में स्थायी शांति कायम हो पाएगी।

आर्थिकी
डॉ. अश्विनी महाजन

शटडाउनः अमेरिकी व्यवस्था की कमज़ोरी

1 अक्टूबर से अमेरिकी सरकार का कामकाज लगभग ठप हो गया है। लगभग 900,000 संघीय कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है, और 20 लाख अन्य को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। केवल स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य सहायता और परिवहन सुरक्षा प्रशासन जैसी आवश्यक सेवाएं ही अपवाद हैं। अमेरिकी इतिहास में यह 11वां शटडाउन है जिसके परिणामस्वरूप सरकारी सेवाएं ठप हो गई हैं। वास्तव में, अमेरिका का बंद होना उभरती अर्थव्यवस्थाओं, विशेषकर भारत के लिए आत्मनिर्भरता, संतुलित व्यापार और सहकारी संघवाद पर आधारित एक नए वैश्विक आर्थिक नेतृत्व को स्थापित करने का एक अवसर है।

जबकि दुनिया इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए अनुचित और बहुपक्षीय व्यापार नियमों के विरुद्ध टैरिफ पर चर्चा कर रही है, एक महत्वपूर्ण विषय जिस पर अभी तक विस्तृत चर्चा नहीं हुई है, वह है अमेरिकी सरकार का शटडाउन, जो 1 अक्टूबर, 2025 से चल रहा है और 4 नवंबर को, इस शटडाउन ने पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान 2018 के पिछले 35 दिनों के शटडाउन को पीछे छोड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 1 अक्टूबर से अमेरिकी सरकार का कामकाज लगभग ठप हो गया है। लगभग 900,000 संघीय कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है, और 20 लाख अन्य को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। केवल स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य सहायता और परिवहन सुरक्षा प्रशासन जैसी आवश्यक सेवाएं ही अपवाद हैं। अमेरिकी इतिहास में यह 11वां शटडाउन है जिसके परिणामस्वरूप सरकारी सेवाएं ठप हो गई हैं। इससे पहले सबसे लंबा शटडाउन 2018-19 में हुआ था, जो पिछले ट्रंप के कार्यकाल में 35 दिनों तक चला था, हालांकि यह पूर्ण सरकारी शटडाउन नहीं था। ज़रा सोचिए, अगर ऐसा भारत में होता, जहां सभी सरकारी प्रतिष्ठान बंद हो जाते और सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता, तो दुनिया भर में, खासकर अमेरिका में, भारतीय संविधान और व्यवस्था की आलोचना करते हुए ढेरों लेख लिखे जाते। फिर भी, अमेरिका में हुई इतनी बड़ी घटना की भी बहुत कम रिपोर्टिंग हो रही है। अमेरिका में दो प्रमुख पार्टियां हैं रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी से हैं। रिपब्लिकन द्वारा संचालित सदन ने तुरंत एक वित्त पोषण विधेयक पारित किया, लेकिन सीनेट में इसे समर्थन नहीं मिला। डेमोक्रेटिक पार्टी का दावा है कि स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी (खासकर अफोर्डेबल केयर एक्ट से संबंधित) बजट में शामिल नहीं हैं। इसके अलावा, कांग्रेस ने शिकायत की है कि राष्ट्रपति प्रशासन बजट प्रक्रिया में कांग्रेस की शक्तियों का अतिक्रमण कर रहा है। कांग्रेस को डर है कि बिना शर्त बजट अनुमोदन कांग्रेस की शक्तियों का हनन होगा। शटडाउन ने न केवल सरकारी कामकाज को ठप कर दिया है, बल्कि 4 करोड़ से ज़्यादा लोगों के लिए खाद्य सहायता, खासकर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) के बंद होने का भी खतरा पैदा कर दिया है। कुछ विभागों ने सैन्य कर्मियों को वेतन सुनिश्चित करने के लिए निजी क्षेत्र से भी धन जुटाया है। हालांकि, डेमोक्रेट अड़े नहीं हैं; उन्होंने अपनी मांग को घटाकर केवल 20 अरब डॉलर कर दिया है, जो उनकी पिछली मांग से काफ़ी कम है, फिर भी समाधान दूर की कौड़ी है। मौजूदा मामले में, संघर्ष सिर्फ़ पार्टियों के बीच का नहीं है; सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी मतभेद हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 3 नवंबर, 2026 को बड़े पैमाने पर चुनाव होने वाले हैं। इन मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और अमेरिकी सीनेट की 100 में से 35 सीटों के लिए चुनाव होंगे, जिससे 120वीं संयुक्त राज्य कांग्रेस का गठन होगा। 29 राज्य और क्षेत्रीय गवर्नर चुनाव, साथ ही कई राज्य और स्थानीय चुनाव भी लड़े जाएंगे। अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनाव वास्तव में सरकारी बंद के त्वरित या स्थायी समाधान में बाधा बन रहे हैं।

राष्ट्रीय हित पर आम सहमति से ज़्यादा राजनीतिक गुणा-भाग महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में लगातार जारी बंद केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि अमेरिकी आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक और वैचारिक कमज़ोरियों का लक्षण है। इतना लंबा शटडाउन अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था की प्रतिस्पर्धी हितों, खासकर राजकोषीय विवेक और राजनीतिक लोकलुभावनवाद के बीच सामंजस्य बिठाने में असमर्थता को दर्शाता है। बजट को मंजूरी देने या ऋण सीमा बढ़ाने में विफलता (जैसा कि हमने पहले भी देखा है) एक खंडित लोकतंत्र को दर्शाती है जो निहित स्वार्थों के हाथों बंधक बना हुआ है, जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर भारी पड़ते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की ऋण और घाटे के वित्तपोषण पर असंतुलित निर्भरता से हमें कोई राहत नहीं मिली है। इस शटडाउन ने उजागर किया है कि कैसे अमेरिकी आर्थिक मॉडल लगातार उधार लेने का आदी हो गया है और राजनीतिक नेता राजकोषीय अनुशासनहीनता के परिणामों का सामना करने को तैयार नहीं हैं। अमेरिकी नीति निर्माताओं के दोहरे मापदंड पूरी तरह से उजागर हो गए हैं, क्योंकि अमेरिका आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं के माध्यम से विकासशील देशों को राजकोषीय जिम्मेदारी का उपदेश देता है, लेकिन घरेलू स्तर पर इसका पालन करने में बुरी तरह विफल रहता है।

हम देखते हैं कि वैश्विक आर्थिक असंतुलन एक तरह से अमेरिकी डॉलर के आधिपत्य से जुड़े हैं। हम समझते हैं कि शटडाउन और बार-बार ऋण सीमा संकट अमेरिकी वित्तीय प्रणाली में वैश्विक विश्वास को कमज़ोर कर रहे हैं। यह दुनिया में डॉलर-विमुद्रीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा दे रहा है और भारत में अस्थिर पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर वित्तीय तंत्र बनाने के विश्वास को मज़बूत कर रहा है। कोई भी आसानी से समझ सकता है कि शटडाउन एक व्यक्तिवादी और उपभोग-आधारित आर्थिक व्यवस्था का परिणाम है जो लोगों की तुलना में बाज़ारों को प्राथमिकता देती है। आम अमेरिकी नागरिकों-बिना वेतन वाले सरकारी कर्मचारी, सेवाओं में देरी और सामाजिक असुरक्षा स्पष्ट रूप से इस नव उदारवाद की विफलता का संकेतक है। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण इस शटडाउन का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहता, अपितु पूरे विश्व तक पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय निवेशक अमरीकी स्थिति देखकर चिंतित हो जाते हैं। डॉलर की स्थिरता पर प्रश्न खड़े होने लगते हैं और विदेशी निवेशक अपने धन सुरक्षित रखने के लिए अन्य विकल्प खोजने लगते हैं।

हालांकि सामान्य रूप से पश्चिमी मीडिया और विशेष रूप से अमेरिका भारतीय संस्थानों को कमज़ोर दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ता, शटडाउन उस कहानी को ध्वस्त कर रहा है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि पश्चिमी आर्थिक प्रणाली की तुलना में भारत में कहीं बेहतर संस्थागत स्थिरता को है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, भारत को कभी भी इस तरह के शटडाउन का सामना नहीं करना पड़ा है क्योंकि बजट अनुमोदन को राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी माना जाता है, न कि राजनीतिक सौदेबाज़ी। वास्तव में, अमेरिका का बंद होना उभरती अर्थव्यवस्थाओं, विशेषकर भारत के लिए आत्मनिर्भरता, संतुलित व्यापार और सहकारी संघवाद पर आधारित एक नए वैश्विक आर्थिक नेतृत्व को स्थापित करने का एक अवसर है। जब पश्चिम अपने विरोधाभासों के बोझ तले लड़खड़ाता है, तो भारत को अपने मूल्यों के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए, न कि उनके उधार लिए गए मॉडलों के आधार पर।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विवि है, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

विवेक शुक्ला

प्रतिभाओं के पारखी थे मौलाना आजाद

मौलाना अबुल कलाम को आज उनकी राजधानी में जामा मस्जिद के पास स्थित मजार पर श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ लोग पहुंचेंगे। इनकी संख्या बीसेक ही रहती है। ये मोटे तौर पर वही लोग होते हैं, जो हर बरस उनकी जयंती (11 नवंबर) और पुण्यतिथि (22 फरवरी) पर वक्त निकाल कर आते हैं। अब आप समझ सकते हैं कि मौलाना आजाद की मजार पर सामान्य दिनों में तो कोई भी नहीं आता। तो कहा जा सकता है कि भारत के पहले शिक्षा मंत्री, स्वतंत्रता सेनानी,हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के प्रति देशका किस तरह का ठंडा रवैया है। कुछ साल पहले तक राष्ट्रपति और दिल्ली के उप राज्यपाल की ओर से मजार पर श्रृद्धा सुमन अर्पित किए जाते थे, मगर वह रिवायत अब टूट चुकी है। अगर आप राजधानी में जनपथ से मौलाना आजाद रोड की तरफ बढ़ते हैं, तो आपको सड़क के शुरू में ही बायीं तरफ विज्ञान भवन मिलता है। इस सड़क की पहचान इसलिए होती है,

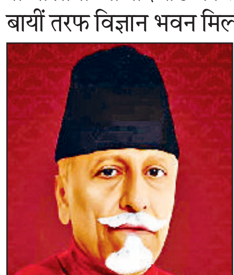

क्योंकि इधर विज्ञान भवन और लंबे समय तक रहा देश के उप राष्ट्रपति का आवास रहा है। कुछ समय पहले यहां से उपराष्ट्रपति आवास शिफ्ट हो चुका है। ये सड़क किंग एडवर्ड रोड से मौलाना आजाद रोड इसलिए हो गई थी, क्योंकि इसी सड़क के 4 नंबर के बंगले में मौलाना आजाद 1947 से 22 फरवरी 1958 को अपनी मृत्यु तक रहे थे। दरअसल जिधर विज्ञान भवन की एनेक्सी है वहां पर ही था मौलाना आजाद का सरकारी बंगला। दूसरे हिस्से में विज्ञान भवन बना। कौन रहता था मौलाना के साथ जब मौलाना आजाद 4 नंबर एडवर्ड रोड में रहते थे तब उनके साथ उनका एक भतीजा नुरूदीन अहमद, जिसे वे अपना पुत्र ही मानते थे, और कुछ अन्य रिश्तेदार भी रहते थे। मौलाना आजाद कोलकाता से सन 1920 के आसपास दि्ली आ गए थे, जब महात्मा गांधी और पंडित नेहरू ने उन्हें भारत के स्वाधीनता संग्राम को सशक्त बनाने के लिए यहां रहने के लिए आमंत्रित किया। तब मौलाना आज़ाद के पास रहने को जगह और देने को किराया नहीं था। फिरोज बख्त अहमद बताते हैं कि उन्हें दिल्ली में रहने के लिए एक घर 'हमदर्द दवाखाना' के हकीम अब्दुल मजीद ने दरियागंज में दिया था। मौलाना आजाद का घर देखते-देखते दिल्ली के दानिशमंदों,लेखकों और नौजवानों का पसंदीदा स्थान बन गया।

मौलाना आज़ाद के घर में किताबों का अंबार था। मौलाना आजाद अपने दोस्तों को भी किताबें भेंट किया करते थे। मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश के शिक्षा मंत्री के रूप में कई प्रतिभाओं को पहचाना और तराशा। उनमें डॉ. कपिला वात्स्यायन भी थीं। भारत के सामने 1947 के बाद अपनी सांस्कृतिक विरासत को उसका सही स्थान देने की चुनौती थी। उस दौर में मौलाना आजाद ने कपिला वात्स्यायन को अपने साथ जोड़ा। यह बात 1956 की है। मौलाना आजाद ने देश में संग्रहालयों को लेकर व्यापक नीति बनाने के लिए बैठक बुलाई। उसमें, उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि ब्रिटिश काल के दौरान देश की बहुत सी बहुमूल्य धरोहरें देश से बाहर चली गईं। उन्हें वापस लाने के प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही नए संग्रहालयों के निर्माण पर फोकस रखना होगा। मौलाना आजाद के विभाग से जुड़े कई आला अफसर, जिनमें कपिला वात्स्यायन भी थीं, का 4 किंग एडवर्ड रोड में आना-जाना लगा रहता था। मौलाना आजाद देश के टूटने से बुरी तरह से हिल गए थे। मौलाना आजाद कहते थे कि अगर मुसलमानों के लिए अलग मुल्क बनाना सही है तो यहुदियों के लिए अलग मुल्क बनाना गलत कैसे है। इस संवाद को जब-जब मशहूर एक्टर टॉम आल्टर ने डॉ.एम. सईद आलम द्वारा लिखित और निर्देशित एकल नाटक मौलाना आजाद में बोला तो उन्हें दर्शकों की भरपूर तालियां मिलीं। मौलाना आजाद के भतीजे फिरोज बख्त अहमद बताते हैं कि उन्होंने 23 अक्तूबर, 1947 को मुसलमानों का आह्वान किया था कि वे पाकिस्तान जाने का इरादा छोड़ दें। वे भारत में ही रहें। उन्हें किसी बात की फिक्र करने की कोई वजह नहीं है। भारत उनका है। मौलाना आजाद की तकरीर के बाद सैकड़ों मुसलमानों ने पाकिस्तान जाने के अपने इरादे को छोड़ दिया था। बहरहाल, मौलाना आजाद की विरासत को जीवित रखने की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः

संकलित
दर्शन

गीताकार ने कहा है कि श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः अर्थात जिसकी जैसी श्रद्धा होती है, वह स्वयं ही वही यानी उसी के अनुरूप बन जाता है। शिष्य और गुरु के मध्य जो श्रद्धा के सूत्रों का सशक्त बंधन होता है, वही लक्ष्य तक पहुंचाने और अध्यात्म की समस्त विभूतियां प्राप्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाता है। जिस श्रद्धा के सहारे मीरा ने गिरधर गोपाल को साथ रहने के लिए विवश किया, एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मिट्टी से बनी प्रतिमा को असली द्रोण से भी अधिक समर्थ बनाया और रामकृष्ण परमहंस ने पत्थर की प्रतिमा को जीवंत काली जैसा भोग ग्रहण करने के लिए सहमत कर लिया था, वह श्रद्धा तत्व ही आत्मिक प्रगति का आधारभूत है। इसे उपार्जित करने के लिए जीवंत गुरु का आश्रय लेना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य के लिए सद्गुरु के अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। आत्मिक प्रगति के लिए सद्गुरु का आश्रय लिए जाने की बात प्राचीन आर्ष ग्रंथों से लेकर ऋषि-मुनियों तक ने कही है। आत्मिक प्रगति, भिन्न स्तर का सोच अपनाने और तदनुरूप अपने क्रियाकलापों को ढालने के लिए सशक्त अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य समर्थ आदर्शवादी और श्रेष्ठ स्तर के व्यक्तित्वों के साथ घनिष्ठता स्थापित करने पर ही बनता है। इसी व्यवस्था को गुरुवरण कहते हैं। गुरु के रूप में एक ऐसी सत्ता के प्रति संपूर्ण समर्पण, जो उत्कृष्टताओं और सत्प्रवृत्तियों का समुच्चय हो।

राजा हैं, फिर भी घमंडी ना बनें

संकलित
प्रेरणा

एक राज्य में एक राजा रहता था जो बहुत घमंडी था। उसके घमंड के चलते आस पास के राज्य के राजाओं से भी उसके संबंध अच्छे नहीं थे। उसके घमंड की वजह से सारे राज्य के लोग उसकी बुराई करते थे। एक बार उस गाँव से एक साधु महात्मा गुजर रहे थे उन्होंने भी राजा के बारे में सुना और राजा को सबक सिखाने की सोची। साधु तेजी से राजमहल की ओर गए और बिना प्रहरियों से पूछे सीधे अंदर चले गए। राजा ने देखा तो वो गुस्से में भर गया। राजा बोला- ये क्या उदण्डता है महात्मा जी, आप बिना किसी की आज्ञा के अंदर कैसे आ गए? साधु ने विनम्रता से उत्तर दिया- मैं आज रात इस सराय में रुकना चाहता हूँ। राजा को ये बात बहुत बुरी लगी वो बोला- महात्मा जी ये मेरा राज महल है कोई सराय नहीं, कहीं और जाइये। साधु ने कहा- हे राजा, तुमसे पहले ये राजमहल किसका था? राजा- मेरे पिताजी का, साधु- तुम्हारे पिताजी से पहले ये किसका था? राजा- मेरे दादाजी का। साधु ने मुस्करा कर कहा- हे राजा, जिस तरह लोग सराय में कुछ देर रहने के लिए आते है वैसे ही ये तुम्हारा राज महल भी है जो कुछ समय के लिए तुम्हारे दादाजी का था, फिर कुछ समय के लिए तुम्हारे पिताजी का था, अब कुछ समय के लिए तुम्हारा है, कल किसी और का होगा। ये राजमहल जिस पर तुम्हें इतना घमंड है ये एक सराय ही है जहां एक व्यक्ति कुछ समय के लिए आता है और फिर चला जाता है। साधु की बातों से राजा इतना प्रभावित हुआ कि सारा राजपाट, मान सम्मान छोड़कर साधु के चरणों में गिर पड़ा।

अंतर्मन

आज की पाती

मिलावटी चीजों से सावधान रहें

आज बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो अपने थोड़े से फायदे के लिए खाने-पीने की चीजों में मिलावट करके दूसरों की जान को भी जोखिम में डाल देते हैं। लेकिन चंद सिक्कों की खातिर दूसरों की जान जोखिम में डालना मानवता के खिलाफ है। खाने-पीने की मिलावटी चीजें तो जहर समान होती है। स्वस्थ भारत के लिए खानपान की चीजों में मिलावट रोकना भी बहुत जरूरी है। खाद्य पदार्थों में मिलावट इस कारण नहीं रुक रही, क्योंकि एक तो आमजन सरकार द्वारा बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण के कानून के प्रति जागरूक नहीं है, दूसरा सरकार और प्रशासन मिलावट रोकने के लिए गंभीरता नहीं दिखाते। तीसरा कारण सरकारी तंत्र में फैला भ्रष्टाचार है। इसके कारण खाद्य पदार्थों की जांच समय-समय पर नहीं होती।

- प्रवीण शुक्ला, धमतरी

ट्रेंड

कितनी नौकरियां दी

कभी राहुल गांधी, तो कभी तेजस्वी आते हैं और कहते हैं- हम हर घर में नौकरी देंगे। लेकिन अब तक तुमने कितनी नौकरियां दीं? ये दोनों बेईमान हमें पटियाने आए हैं; ये समझते हैं कि जनता बुद्धू बन जाएगी।
-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

प्रत्येक वार्ड सुंदर बने

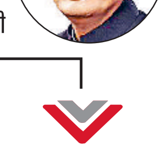

जनता का आशीर्वाद, जनता के प्रति स्नेह, जनता का सेवाभाव। यही हमारा काम है और इस काम को करते हुए दिल्ली में 12 सीटों पर हम चुनाव लड़ेंगे। हम चाहते हैं कि दिल्ली का प्रत्येक वार्ड सुंदर बने, बेहतर बने और वहां विकास कार्य हों।
-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

अवैध प्रवासी बढ़े

आंकड़े बताते हैं कि अवैध प्रवासियों और एक खास समुदाय की आबादी, संपत्ति और ज़मीन के स्वामित्व में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है - यह मूल असमियों पर अपना दबदबा बनाने की साफ़कोशिश है।
- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

महागठबंधन कुछ नहीं

महागठबंधन कुछ नहीं, एक-दूसरे की टांग खीचने और धोखेबाजी का खेल है। इसके तीन खिलाड़ी राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव हैं। इन तीनों की अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग है। गांधी जी किसी भी क़ीमत पर नहीं चाहते कि दोनों यादव मुख्यमंत्री बनें।
-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

करंट अफेयर

पाक के पंजाब में शेरशाह सूरी युग की सराय मिली

पाकिस्तान में पंजाब सरकार के पुरातत्व विभाग ने लाहौर से लगभग 220 किलोमीटर दूर हड़प्पा के खंडहरों के पास शेरशाह सूरी के युग की, 16वीं सदी की सराय (विश्राम स्थल) को खोजा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह सराय मुख्य शेर शाह सूरी मार्ग के दक्षिणी हिस्से पर स्थित है। यह शेर शाह सूरी (1540-1545) के समय डाक काफिलों के लिए विश्राम स्थल था। शेर शाह सूरी एक अफगान शासक थे जिन्होंने मुगल साम्राज्य को कुछ समय के लिए हटाकर सूर साम्राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने 1540 में मुगल बादशाह हुमायूं को हराकर अपने वंश का साम्राज्य स्थापित किया था, लेकिन सूर साम्राज्य बहुत समय तक नहीं चला, और 1545 में शेरशाह सूरी की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य ने नियंत्रण हासिल कर लिया। पंजाब के पर्यटन सचिव डॉ. एहसान भुट्टा के अनुसार, स्थल पर मिलीं ईंट हड़प्पा काल की हैं, लेकिन इसमें शेर शाह सूरी के युग की विशेषताएं भी मौजूद हैं, जैसे बरामदा, जलाशय आदि। उन्होंने कहा, अधिक खुदाई करने से हमें यहां रहने वाले लोगों की जीवनशैली के बारे में पता चलेगा। उम्मीद है कि हड़प्पा काल की और भी विशेषताएं सामने आएंगी। उन्होंने बताया कि पुरातात्विक खुदाई में उत्तरी दिशा में मुख्य द्वार और द्वार के दोनों ओर तीन कमरे मिले हैं।

ऑफ बीट

एआई डॉक्टरों की तुलना में आगे निकलता दिख रहा

शतरंज, कला और चिकित्सकीय निदान में अपनी क्षमता साबित कर चुकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक अब चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों से आगे निकलती दिख रही है। मरीजों के लिए डॉक्टरों में पाया जाने वाला मानवीय गुण 'सहानुभूति' अब एआई में पाया जा रहा है। ब्रिटिश मेडिकल बुलेटिन में प्रकाशित हालिया समीक्षा में 15 अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। इसमें एआई द्वारा लिखे गए जवाबों की तुलना स्वास्थ्य पेशेवरों के लिखित उत्तरों से की गई। शोधकर्ताओं ने दोनों प्रकार के उत्तरों का सहानुभूति के आधार पर मूल्यांकन किया। परिणाम चौंकाने वाले थे- 15 में से 13 अध्ययनों (करीब 87 प्रतिशत) में एआई के उत्तर अधिक सहानुभूतिपूर्ण पाए गए। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इससे पहले कि हम स्वास्थ्य सेवा की मानवीय संवेदना एआई के हवाले कर दें, यह समझना जरूरी है कि वास्तव में हो क्या रहा है। इन अध्ययनों में आमने-सामने बातचीत के बजाय केवल लिखित उत्तरों की तुलना की गई थी, जिससे एआई को एक संरचनात्मक बढ़त मिली। न स्वर की गलत व्याख्या का जोखिम, न शरीर की भाषा को समझने की चुनौती, और सही उत्तर देने के लिए असीमित समय दिया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन अध्ययनों में किसी प्रकार की हानि को नहीं मापा गया।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

मुंबई ने दो दिन में दो बार हिमाचल को किया आउट, दूसरी पारी में 139 रन पर ढेर

रणजी सीजन में मुलानी ने तीसरी बार झटके 5 विकेट मुंबई ने हिमाचल को पारी और 120 रन से हराया

एजेंसी ▸▸ मुंबई

बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी के पांच विकेट की बदौलत मुंबई ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन हिमाचल प्रदेश को पारी और 120 रन से हरा दिया। रणजी सीजन में मुलानी ने तीसरी बार 5 विकेट झटके है। पहली पारी में 446 रन बनाने के बाद मुंबई ने दो दिन में दो बार हिमाचल को आउट करके सत्र की दूसरी जीत दर्ज की।

मैच के तीसरे दिन हिमाचल की टीम सपाट पिच पर पहली पारी में 187 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में भी टीम अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी और पुखराज मान की 109 गेंद में नौ चौकों से 65 रन की पारी के बावजूद 139 रन पर ढेर हो गई। हिमाचल ने दिन की शुरुआत पहली पारी में सात विकेट पर 94 रन के स्कोर से की।

मुंबई को जीत से मिले सात अंक मिले

दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे वैभव अरोड़ा ने 61 गेंद में छह चौकों और चार छक्कों से 51 रन की पारी खेली। अरोड़ा ने निखिल गंगटा (नाबाद 64) के साथ नौवें विकेट के लिए 77 रन जोड़े लेकिन इसके बावजूद टीम को फॉलोआन से नहीं बचा पाए। मुंबई ने पहली पारी के आधार पर 259 रन की बढ़त हासिल की। फॉलोआन खेलते हुए हिमाचल की टीम ने मुलानी (37 रन पर पांच विकेट) और मुशीर खान (23 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 49.1 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। मुंबई को इस जीत से सात अंक मिले।

गोवा ने मध्यप्रदेश को 187 पर समेटा

रणजी ट्रॉफी के अपने चौथे मैच की पहली पारी में गोवा ने मध्यप्रदेश को 187 रन के स्कोर पर समेट दिया और पहली पारी में इस टीम को 97 रन की अहम बढ़त मिली। गोवा की तरफ से वासुकी कोशिश ने शानदार बॉलिंग करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए तो वहीं अर्जुन तेंदुलकर की गेंदबाजी भी अच्छी रही। मध्यप्रदेश के खिलाफ पहली पारी में अर्जुन तेंदुलकर ने 12 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट झटके तो वहीं वासुकि कौशिश ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 ओवर में 34 रन देकर 5 विकेट लिए।

रावत के शतक के बावजूद झारखंड के खिलाफ बड़ौदा पिछड़ा

वडोदरा। बड़ौदा के मध्य क्रम के बल्लेबाज शाश्वत रावत ने जुझारू शतक जड़ा लेकिन इसके बावजूद अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे झारखंड ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन पहली पारी के आधार पर 215 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। रावत ने 230 गेंद में 106 रन की पारी खेली लेकिन इसके बावजूद बड़ौदा की टीम पहली पारी में 291 रन पर ढेर हो गई। झारखंड ने पहली पारी में 506 रन बनाए थे। झारखंड ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में एक विकेट पर 10 रन बना लिए हैं, जिससे उसकी कुल बढ़त 225 रन की हो गई है। रावत ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मितेश पटेल (61) के साथ पांचवें विकेट के लिए 123 रन की साझेदारी की लेकिन इसके बावजूद झारखंड को बड़ी बढ़त हासिल करने से नहीं रोक पाए।

शतरंज विश्व कप

चौथे दौर में एरिगैसी, प्रज्ञाननंदा प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी ▸▸ पणजी

भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी, आर. प्रज्ञाननंदा और पी. हरिकृष्णा फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस के बाद चौथे दौर में भी अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

भारत के सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन चौथे दौर में हंगरी के अनुभवी पीटर लेको के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे, जबकि प्रज्ञाननंदा का सामना फिडे के ध्वज तले खेल रहे डेनियल डुबोव से होगा। तीनों भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अनुभवी हरिकृष्णा अगले दौर में स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस से भिड़ेंगे।

लेको का अर्जुन से सामना करना आसान नहीं

लेको पिछले 20 वर्ष से शतरंज की दुनिया में जाना पहचाना नाम है। उनके लिए हालांकि अर्जुन का सामना करना आसान नहीं होगा। हंगरी के इस 46 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के बॉबी चेंग और ऑस्ट्रिया के किरील अलेक्सेन्को को बिना किसी टाईब्रेक गेम के हराया, जिससे उनकी फॉर्म का पता चलता है।अर्जुन ने भी अपने दोनों मैच बिना किसी टाईब्रेकर के जीते, जिससे लेको के खिलाफ उनका मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। इस भारतीय खिलाड़ी ने अब तक क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत अपने चार में से तीन गेम जीते हैं। उन्होंने इस दौरान बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव और उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को बाहर का रास्ता दिखाया।

विश्व कप के लिए जूनियर महिला हॉकी टीम का ऐलान, ज्योति को कमान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चिली के सैंटियागो में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप के लिए ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर की कोचिंग वाली 20 सदस्यीय टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। मुख्य कोच खांडेकर ने कहा, मैं टीम और उसके मौजूदा प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मेरा मुख्य सिद्धांत अनुशासन है और इस टीम को बनाते समय मैंने इसे ध्यान में रखा है। हमने कड़ी मेहनत की है तथा पिछले कुछ महीनो में हमारे खिलाड़ियों ने अपने खेल में काफी सुधार किया है।' भारत को पूल सी में रखा गया है और वह अपने अभियान की शुरुआत एक दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह तीन दिसंबर को जर्मनी और फिर पांच दिसंबर को आयरलैंड का सामना करेगा। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी, जो सात से 13 दिसंबर तक खेला जाएगा।

बार्सिलोना की शानदार जीत लेवांडोव्स्की ने मारी हैट्रिक

मैड्रिड। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की हैट्रिक की मदद से बार्सिलोना शानदार जीत हासिल करके स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में शीर्ष पर काबिज रियाल मैड्रिड के करीब पहुंच गया है। रियाल मैड्रिड की अपनी

बढ़त मजबूत करने की उम्मीद को तब करारा झटका लगा जब रायो वेलेकानो ने उसे गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। इसके बाद लेवांडोव्स्की और लेमिन यामल ने बार्सिलोना को सेल्टा विगो पर 4-2 से जीत दिलाई। इससे बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच केवल तीन अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना से हार झेलने के कारण सेल्टा की सभी टूर्नामेंटों में लगातार पांच मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया। विलारियल ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर लीग में लगातार तीसरी जीत हासिल की। वह रियाल मैड्रिड से पांच अंक पीछे तीसरे स्थान पर जबकि एटलेटिको मैड्रिड छह अंक पीछे चौथे स्थान पर है। एटलेटिको ने शनिवार को घरेलू मैदान पर लेवांते को 3-1 से हराया था।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज का मैच बारिश के कारण रद्द

नेल्सन। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम पांच मैच की श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है। श्रृंखला का पांचवा और आखिरी मैच गुरुवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने पहला मैच सात रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच तीन रन से और रविवार को तीसरा मैच नौ रन से जीता था।
न्यूजीलैंड ने सोमवार को सैक्सटन ओवल में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। लेकिन केवल 6.3 ओवर का खेल ही संभव हो पाया, जिसमें वेस्टइंडीज ने एक विकेट खोकर 38 रन बनाए।

13 से बेंगलुरु में राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप

बेंगलुरु। भारत की पहली राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के द स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने यह घोषणा की। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन (केपीए) इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिसमें भाग लेने के लिए 20 से अधिक राज्यों से 1,200 से अधिक आवेदन मिले हैं। यह प्रतियोगिता पुरुष, महिला और मिश्रित प्रारुपों में अंडर-12 से लेकर 70 साल की उम्र से अधिक के विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्ष ने कहा, 'पिकलबॉल ने दुनिया भर में काफी प्रगति की है और भारत सरकार की ओर से इस खेल को मान्यता दिए जाने से इसे एक नई पहचान और दिशा मिली है।'

सेंट जेम्स स्क्वाश के फाइनल में कार्डेनास से हारे वीर

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वीर चोटरानी को अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड में पीएसए कॉपर इवेंट सेंट जेम्स एक्सप्रेशन ओपन के फाइनल में मैक्सिको के शीर्ष वरीयता प्राप्त लियोनेल कार्डेनास से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 51वें नंबर के खिलाड़ी और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त चोटरानी ने दूसरा गेम जीतकर स्कोर बराबर कर दिया था लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और इसके बाद उन्होंने आसानी से मैच गंवा दिया।

विश्व सुपर कबड्डी लीग ने शेट्टी को बनाया तकनीकी निदेशक : नई दिल्ली। विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले टूर्नामेंट से पहले अंतरराष्ट्रीय कोच रवींद्र शेट्टी को अपना तकनीकी निदेशक नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी कोच शेट्टी लीग की तकनीकी और प्रतिस्पर्धा रूपरेखा तैयार करेंगे। इसके साथ ही वह खेल संरचना, रेफरी और कोच विकास तथा खेल प्रारूपों में नवाचार से संबंधित काम भी देखेंगे।

आज से शुरू जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट लय हासिल करने पर लक्ष्य और प्रणय की निगाहें

कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय शटलर एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन मंगलवार 11 नवंबर से शुरू हो रहे 475,000 डॉलर इनामी कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपनी लय फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे। लक्ष्य

मौजूदा सत्र में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्हें यहां सातवीं वरीयता दी गई है। अल्मोड़ा के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय को ओलंपिक से पहले चिकनगुनिया होने के बाद से संघर्ष करना पड़ रहा है। वह एक महीने से ज्यादा समय के ब्रेक के बाद वापसी करेंगे। वह मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी पहले दौर में थाईलैंड के शीर्ष वरीयता प्राप्त कुनलावुत विटिडसार्न से भिड़ेंगे। मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली का मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा, जबकि किरण जॉर्ज का मुकाबला क्वालीफायर से होगा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गादे का मुकाबला प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से होगा।

महिला क्रिकेट टीम को पहली बार मिल सकता है विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निकट भविष्य में अपना पहला विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने की पूरी संभावना है। बीसीसीआई ने पहले ही बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में

स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भर्तियां की हैं। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नाथन कीली भारतीय बोर्ड के साथ बातचीत कर रहे हैं और संभावना है कि वह सीओई में शामिल हो सकते हैं। भारतीय महिला टीम की वर्तमान स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एआई हर्षा ने विश्व कप में खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी लेकिन पता चला है कि बीसीसीआई उनको कोई और कार्य देना चाहता है। बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने के अलावा कीली ने न्यू साउथ वेल्स की प्रथम श्रेणी टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। अब तक सीओई से जुड़े व्यक्ति को ही महिला क्रिकेट टीम का स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नियुक्त किया जाता रहा है, लेकिन अगर कीली इसमें शामिल होते हैं तो वह पहले विदेशी कोच हो सकते हैं। भारतीय पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ हैं। भारतीय टीम के साथ उनका यह दूसरा कार्यकाल है।

खबर संक्षेप

बजाज कंज्यूमर केयर का लाभ 33 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। घरेलू उपभोग का दैनिक सामान बनाने वाली कंपनी बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत बढ़कर 42.3 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 31.85 करोड़ रुपये था।

इमामी के लाभ में 29.7 फीसदी की आई गिरावट

नई दिल्ली। रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली घरेलू कंपनी इमामी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 29.7 प्रतिशत घटकर 148.35 करोड़ रुपये रह गया। जीएसटी दरों में कटौती की उम्मीद में अस्थायी रूप से बिक्री घटने और कुछ उत्पाद श्रेणियों पर अत्यधिक बारिश के प्रभाव के कारण उसका मुनाफा कम हुआ।

वोडाफोन आइडिया का घाटा कम होकर 5,524 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया का सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा सालाना आधार पर कम होकर 5,524 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में उसे 7,175.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

बिकने जा रही है व्हर्लपूल इंडिया, दौड़ में केवल एडवेंट इंटरनेशनल शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल इंडिया बिकने जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल इसमें बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के बहुत करीब पहुंच गई है। वॉशिंग मशीन, किचन और रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल अपनी लागत कम करना चाहती है। कंपनी अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में ब्लेंडर और कॉफी मेकर जैसे ज्यादा प्रॉफिट देने वाले उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। केकेआर, टीपीजी, ईक्यूटी, बैन जैसे बायआउट पीई ग्रुप्स के साथ-साथ हैवल्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई थी।

- खरीदने की दौड़ में पहले अंबानी से लेकर कई बड़ी कंपनियां शामिल थी

कंपनी घरों में उपयोग होने वाले होम अप्लायंसेज बनाती है

शेयरों की चाल

अगर एडवेंट के साथ बातचीत भी फेल हो जाती है, तो कंपनी ब्लॉक डील के जरिए इक्विटी का कुछ हिस्सा फिर से बेचने पर विचार कर सकती है। इस साल अब तक व्हर्लपूल इंडिया के शेयर 26 प्रतिशत गिर चुके हैं। कंपनी के हालिया नतीजे बताते हैं कि पिछले सात तिमाहियों में कंपनी का रेवेन्यू सबसे कम रहा है, जो भारत में परिचालन संबंधी चुनौतियों का संकेत देता है। हालांकि, अमेरिका में तीसरी तिमाही में बिक्री 1 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन एक नॉन-कैश लॉस के कारण मुनाफा कम हुआ है।

बड़ी प्राइवेट इक्विटी फर्म भी आई थी आगे : डील में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि फाइनल ड्यू डिलिजेंस और कागजी कार्रवाई का काम चल रहा है। बैन और ईक्यूटी नाम की दो अन्य बड़ी प्राइवेट इक्विटी फर्म भी इस डील में दिलचस्पी रखती थीं, लेकिन बाद में वे पीछे हट गईं। हालांकि, कुछ हालिया कॉर्पोरेट डेवलपमेंट के कारण एडवेंट की इस बिजनेस में दिलचस्पी फिर से बढ़ गई है।

पेरेंट कंपनी की हिस्सेदारी

इस डील की कुल कीमत मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से 9682.88 करोड़ रुपए होगी। इसके बाद व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन कंपनी में एक छोटी हिस्सेदारी वाली कंपनी बनकर रह जाएगी, जिसके पास कंपनी का एक चौथाई से भी कम हिस्सा होगा। एडवेंट के लिए यह भारत में अप्लायंसेज सेक्टर में तीसरी बड़ी खरीद होगी। इससे पहले, 2015 के बाद से एडवेंट ने क्रॉम्प्टन ग्रीव्स के कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल बिजनेस और यूरेका फोर्ब्स को भी खरीदा है।

एडवेंट 31 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

सूत्रों के मुताबिक एडवेंट इंटरनेशनल और व्हर्लपूल इंडिया की पैरेंट कंपनी व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन के बीच बातचीत के अंतिम दौर में है। एडवेंट इसमें 31 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक इस साल के अंत तक डील फाइनल हो सकती है। भारतीय नियमों के अनुसार, इस शेयर खरीद से कंपनी के 26 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर के लिए भी एक ओपन ऑफर शुरू होगा। अगर यह ऑफर पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाता है, तो एडवेंट कंपनी का 57 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम कर लेगी।

मौजूदा सभी नौ इंटरकनेक्शन नियम शामिल

ट्राई 'इंटरकनेक्शन' नियमों की करेगा समीक्षा, मांगे सुझाव, परिचर्चा पत्र जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई सभी नौ मौजूदा इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा कर रहा है। उसने उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए अन्य दूरसंचार नेटवर्कों के साथ इंटरकनेक्ट ढांचे सहित कई पहलुओं पर संबंधित पक्षों के सुझाव मांगे हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि कुल मिलाकर, समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नियामकीय ढांचा प्रौद्योगिकी के विकास और दूरसंचार क्षेत्र में बदलावों को ध्यान में रखे।

सेवा प्रदाताओं के बीच इंटरकनेक्शन के दौरान वर्तमान में लागू विभिन्न शुल्कों से संबंधित नियामक पहलुओं, जैसे इंटरकनेक्शन शुल्क, इंटरकनेक्शन उपयोग शुल्क (उत्पत्ति शुल्क, पारगमन शुल्क, कैरिज शुल्क, ट्रांजिट कैरिज शुल्क, समाप्ति शुल्क और अंतरराष्ट्रीय समाप्ति शुल्क) और रेफरेंस इंटरकनेक्ट ऑफर (आरआईओ) ढांचे की भी परामर्श पत्र के माध्यम से पड़ताल की जा रही है।

इंटरकनेक्शन दूरसंचार नेटवर्क की रीढ़ है

सरल शब्दों में कहें तो, इंटरकनेक्शन विभिन्न दूरसंचार नेटवर्क को जोड़ता है, जिससे उपयोगकर्ताओं के बीच निर्बाध संचार संभव होता है और यह वस्तुतः नेटवर्क की रीढ़ की हड्डी है। इसमें वाणिज्यिक और तकनीकी व्यवस्थाएं शामिल हैं जिनके तहत नेटवर्क प्रदाता अपने नेटवर्क और सेवाओं को जोड़ते हैं ताकि उनके ग्राहक अन्य नेटवर्क प्रदाताओं के ग्राहकों और सेवाओं तक पहुंच बना सकें।

- उपग्रह व दूरसंचार नेटवर्क के इंटरकनेक्ट ढांचे के लिए मांगे सुझाव
- समीक्षा का उद्देश्य दूरसंचार क्षेत्र में बदलावों को ध्यान में रखे
- रेफरेंस इंटरकनेक्ट ऑफर ढांचे की पड़ताल की जा रही

एमएसएस और फिक्स्ड सैटेलाइट सेवा अलग-अलग हो

सभी मौजूदा इंटरकनेक्शन नियमों (कुल नौ) की समीक्षा करने वाला यह पत्र, अन्य दूरसंचार नेटवर्क के साथ उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए इंटरकनेक्शन ढांचे के बारे में संबंधित पक्षों की राय जानना चाहता है। ट्राई ने कहा, ''इसके अलावा, क्या एमएसएस (मोबाइल सैटेलाइट सेवा) और एफएसएस (फिक्स्ड-सैटेलाइट सेवा) उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए इंटरकनेक्शन ढांचे अलग-अलग होने चाहिए?''

4जी व 5जी के क्रियान्वयन में तेजी लाने जरूरी

ट्राई ने कहा कि इसकी समीक्षा आईपी-आधारित इंटरकनेक्शन की जांच पर केंद्रित है। यह अधिक प्रासंगिक है क्योंकि 4जी/5जी के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए बेहतर सेवा गुणवत्ता, इंटरकनेक्शन के स्तर की आवश्यकता होती है। यह वर्तमान में मोबाइल नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए एलएसए (लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र) स्तर पर और फिक्स्ड लाइन टेलीफोन नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए जिला/तहसील स्तर पर हैं।

एसएमएस समाप्ति शुल्क की भी होगी समीक्षा

मौजूदा एसएमएस समाप्ति शुल्क की भी समीक्षा की जानी है, और ट्राई ने पूछा है कि क्या एनएलडीओ (नेशनल लांग डिस्टेंस ऑपरेटर) द्वारा किसी सेवा क्षेत्र के बीच एसएमएस भेजने पर एसएमएस कैरिज शुल्क निर्धारित करने की आवश्यकता है।

इंटरकनेक्शन मुद्दों की भी जांच होगी

नियामक ने परामर्श पत्र में कहा, ''वर्तमान समीक्षा का उद्देश्य उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क जैसे उभरते मंचों से संबंधित इंटरकनेक्शन मुद्दों की भी जांच करना है। इसमें प्रमुख पहलुओं में पॉइंट्स ऑफ इंटरकनेक्ट (पीसी) की प्रकृति और स्थान शामिल हैं, विशेष रूप से वे जो सैटेलाइट अर्थ स्टेशन गेटवे और अन्य सैटेलाइट, मोबाइल और फिक्स्ड-लाइन नेटवर्क के साथ उनके इंटरकनेक्शन से जुड़े हैं।''

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक

- आईटी शेयरों में खरीदारी से सेंसेक्स 319 अंक चढ़ा
- निफ्टी भी 25,500 अंक के ऊपर हुआ बंद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 319 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। मुख्य रूप से आईटी और वित्तीय शेयरों में लिवाली और अमेरिका में विभिन्न विभागों में कामकाज फिर से सुचारू होने के मामले में मिली सफलता से वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.07 अंक चढ़कर 83,535.35 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 82.05 अंक लाभ के साथ 25,574.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, टाइटन, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो को लाभ हुआ। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट लि., इटर्नल, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी शामिल हैं।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) VECVL EPRO2114XP REG. NO. DL1GC9236-YOM- 2021
2) TATA MOTORS TATAACE ENG. NO. DL1LAL3213 -YOM-2023
3) TATA MOTORS TATA_INTRA REG. NO. DL1LAM8892-YOM- NA
4) TATA MOTORS TATA1812 REG. NO. UP17BT9408-YOM-2023
5) TATA MOTORS TLPT1109CH REG. NO. DL1MA9017-YOM- 2022
6) TATA MOTORS TATA4825B REG.NO. RJ11GC7462 -YOM-2023
7) TATA MOTORS TACEGOL CNG REG. NO. DL1LAL4819-YOM-2023
8) EICHR_VECV EICPRO3019 REG. NO. UP15GT0264-YOM-2023
9) TATA MOTORS T3118CBGD REG. NO. PB03BJ3127-YOM-2022
10) ASHOK_LEY ALN5525TT REG. NO. HR58C9022-YOM-2023
11) MAH BOL_MT_BS4 REG. NO. UP14KT2812 -YOM-2021
12) ASHOK_LEY ALEA1920 REG. NO. UP16KT2547-YOM-2023
13) ASHOK_LEY ALEA1920 REG. NO. UP16KT2544-YOM-2023
14) EICHR_VECV EICPRO3019 REG. NO. HR55AK0217-YOM-2021
15) EICHR_VECV EICPRO2114 REG. NO. HR55AT4491-YOM- NA
16) TATA MOTORS SIGN5530FB REG. NO. CG13BA5400-YOM-2024
17) MAH BOL_MT_BS4 REG. NO. UP14KT2813-YOM-2021

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL–raman.ahuja@kotak.com

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सोने में 1,300 रुपये की तेजी और चांदी 2,460 रुपए चढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार के 1,24,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,24,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''सुरक्षित निवेश की मौजूदा मांग और कमजोर अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों के कारण सोने में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार फिर से शुरू हुआ, जिससे अगले महीने होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि कमजोर डॉलर ने सराफा को और समर्थन दिया है। एसोसिएशन के अनुसार, इसके अलावा, सोमवार को चांदी की कीमतें 2,460 रुपये बढ़कर 1,55,760 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। शुक्रवार को यह 1,53,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

मल्होत्रा निप्पॉन पेंट इंडिया के प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। जापान की निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स शाखा, निप्पिया ग्रुप ने सोमवार को शरद मल्होत्रा को निप्पॉन पेंट इंडिया का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति एक दिसंबर, 2025 से प्रभावी होगी। वह कंपनी में इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय हैं। जॉन टैन का स्थान लेंगे और समूह के सीईओ वी स्यू किम को रिपोर्ट करेंगे। कंपनी में इस पद पर नियुक्त होने वाले वह पहले भारतीय हैं।

PUBLIC NOTICE

I, Ms. Shilpa Kumari D/o Mr. Govardhan Prasad R/o Laluchak Angari Bhagalpur Bihar 812001 have purchased a property bearing No O2/2003 Project Eco Village-3, address GH-06, Sec-16B Gr Noida West. I have lost the original allotment letter of the above said property, I have request M/s Supertech Limited, to issue the duplicate allotment letter of the said property, if anybody or financial Institutions have objection, he/she may contact to M/s Supertech Limited office Plot no-C-2, Sector 96, Noida 201303 UP, Within Fifteen Day.

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

भारत से उठ गया हुंडई की 'टुक्सन' कार का बोरिया-बिस्तर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हुंडई की फ्लैगशिप एसयूवी टुक्सन को लेकर अब बाजार में बड़ी हलचल मच गई है। क्योंकि कंपनी ने इस प्रीमियम एसयूवी को अपनी ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया है, जिसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद हुंडई ने भारत में टुक्सन को डिसकंटिन्यू कर दिया है।

- कार को भारत में अगस्त 2022 में लांच किया गया है

क्या अब टुक्सन की जगह कोई नई एसयूवी आने वाली है? हुंडई टुक्सन एक लग्जरी एसयूवी है, जिसकी अपनी पहचान थी। हुंडई टुक्सन (चौथी जेनरेशन) को भारत में अगस्त 2022 में लांच किया गया था। यह एसयूवी कंपनी की सबसे प्रीमियम ऑफरिंग्स में से एक थी, जो सीधे जीप मरेडियन, स्कोडा कोडिएक और टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी गाड़ियों को टक्कर देती थी। टुक्सन अपने स्टाइलिश डिजाइन, हाई-टेक फीचर्स और एडास सेफ्टी सिस्टम की वजह से खास चर्चा में रही।

प्रीमियम फीचर्स से भरी थी टुक्सन

हुंडई टुक्सन उन चुनिंदा एसयूवी में से थी, जिसमें लग्जरी और टेक्नोलॉजी दोनों का बेहतरीन मेल था। इसमें 10.25-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, पैनोरामिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 360 कैमरा, लेवल-2 एडास (एडवांस ड्राइवर असिस्ट सिस्टम), 6 एयरबैग, हिल-होल्ड असिस्ट, एबीएस, ईबीडी और टीपीएमएस जैसे फीचर्स मिलते हैं, यानी हर वो फीचर मिलता है, जो एक लग्जरी एसयूवी में होना चाहिए।

वेबसाइट से हटने के मायने

हुंडई इंडिया ने नवंबर 2025 में टुक्सन को अपनी वेबसाइट से हटा दिया है, जो यह संकेत देता है कि यह एसयूवी अब फिलहाल प्रोडक्शन में नहीं है। हालांकि, कंपनी की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि हुंडई जल्द ही टुक्सन का नया अपडेटेड वर्जन या फेसलिफ्ट मॉडल लांच कर सकती है, जो बीएस6 फेज-2 और नए सेफ्टी नॉर्म्स के अनुरूप होगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **राकेश, पुत्र** उदय सिंह **पताः** ग्राउंड फ्लोर प्रॉपर्टी नंबर 93–ए/1, गोल्डन एन्क्लेव, राणाजी एन्क्लेव, नजफगढ़, **नई दिल्ली–110043 Ct. Case No.1113/2021 U/S: 135 Electricity Act, पुलिस थानाः नजफगढ़, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **राकेश, Ct. Case No.1113/2021 U/S: 135 Electricity Act, पुलिस थानाः नजफगढ़, नई दिल्ली–110043** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री. हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दक्षिण पश्चिम)
विशेष न्यायालय, विद्युत कोर्ट नं. 609
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/14881/DW/2025
(Court Matter)

शब्द पहेली - 6044

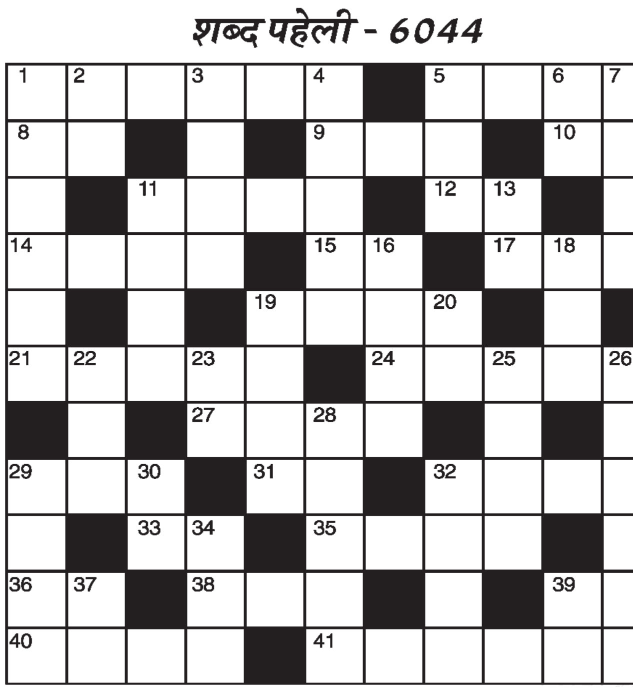

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना–6
5.अलमस्त, उत्साही–4
8. हरे रंग का–2
9.चाह,इच्छा–3
10.अधिकार,आरोप–2
11.निर्दय, हिंसक–4
12.आंदोलन–2
14.सज्जन,सभ्य–4
15.स्मृति,अविस्मरण–2
17.रूखा, रसहीन–3
19.गुप्तचर–4
21.संकट मोचक,नाविक–5
24.चुगली करना–5
27.नेता पथ प्रदर्शक–4
29.प्रेम,चाहत–3
31.एक ग्रह–2
32.अनर्गल प्रलाप–4
33.नौकर,सेवक–2
35.उद्विग्न,आतुर–4
36.श्रवणेंद्रिय–2
38.दीपक,दिया–3
39.बोलने के लिये कहना–2
40.एक मुस्लिम महीना–4
41.सहायता करना–3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता–6
2.थोड़ा,कम–2
3.कपड़ों के टुकड़े–4
4.असफल–5
5.राजी करना–3
6.वजन,वायदा–2
7.अनाथ,बेवारिस–4
11.वैधव्य–4
13.राजा की पत्नी–2
16.टूटना–4
18.धावक (अंग्रेजी–3)
19.खबरी,खबर देने वाला–4
20.हमारा पड़ोसी देश–2
22.घूमना–3
23.पराजय–2
25.खतरनाक, खौफनाक–4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत–4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म–5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध–4
30.कभी–2
32.जब्त,प्राप्त होना–4
34.मास्टर ब्लास्टर–3
37.भीगा हुआ–2
39.टैक्स,हाथ–2

शब्द पहेली- 6043 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	मि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	य	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

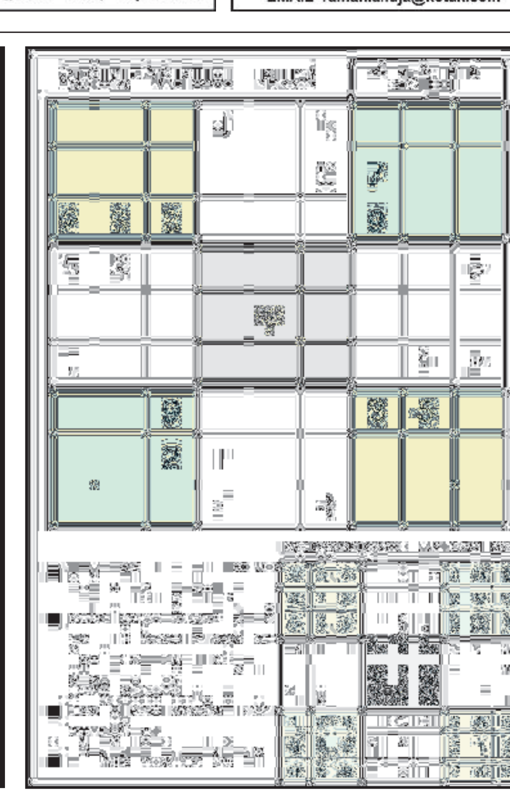

तेजस्वी ने मतदान से पहले लगाए गंभीर आरोप, कहा- पीएम मोदी बाहुबलियों के लिए वोट मांगते रहे और शाह यहां डेरा डाले रहे

भाजपा ने किया पलटवार और शिकायत भी दर्ज कराई

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना के पोलो रोड में दूसरे चरण के मतदान से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके साथ सांसद मीसा भारती भी मौजूद रहीं। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनाव में भाजपा शासित प्रदेशों से ही सुरक्षा बल क्यों बुलाई गई। 208 कंपनियां भाजपा शासित राज्य की लगाई गई हैं। 68% पुलिस ऑबजर्वर भाजपा शासित राज्यों से हैं। तेजस्वी ने सवाल पूछा कि बंगाल तमिलनाडु झारखंड की पुलिस क्यों नहीं मंगवाई गई। तेजस्वी यादव ने कहा कि, हम लोग विकास की बात कर रहे हैं। पीएम कट्टे की। पता नहीं वो कौन सा वेब सीरीज देख रहे हैं। पीएम ने आपराधिक छवि के लोगों के साथ मंच साझा किया। सृजन घोटाले के मुख्य आरोपी विपिन शर्मा से एयरपोर्ट पर मिले और पीठ थपथपाई।

प्रधानमंत्री ने अनंत सिंह, हुलास पांडेय जैसे बाहुबलियों के लिए भी प्रचार किया। वहीं भाजपा ने इस मामले में तेजस्वी के आरोपों को मनगढ़ते बताते हुए निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। हम चुनाव आयोग से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। समस्तीपुर में पर्चियां फेंकी मिली थीं। लोग डरे हुए हैं। घबराए हुए हैं। गृहमंत्री को कोई काम नहीं पटना में डेरा बनाए हुए हैं। कई बड़े-बड़े अधिकारियों को बुलाया गया है, निर्देश दिए गए हैं। कहां गड़बड़ी करनी है। चुनाव से पहले किन-किन लोगों को उठाना है। ये बताया जा रहा है। ये बौखलाहट बता रही है कि ये लोग जाने वाले हैं। हम लोगों की पैनी नजर है। ये सूचना हमें उन्हीं अधिकारियों से मिली है, जिन्हें ये निर्देश दिए गए हैं।

पूछा-झारखंड पुलिस क्यों नहीं बुलाई

समस्तीपुर में पर्चियां मिलने का भी जिक्र

तेजस्वी का दावा बिहार बदलाव के मूड में

तेजस्वी प्रेस कान्फ्रेंस में आंकड़े दिखाते हुए।

राजद नेता ने लगाई वादों की झड़ी

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कई बड़े वादे किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है, तो 14 जनवरी को महिलाओं के खाते में 30 हजार रुपए भेजे जाएंगे। साथ ही जीविका दीदीयों का ब्याज माफ किया जाएगा और उन्हें 30 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। तेजस्वी ने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने, किसानों के लिए फ्री बिजली, और 'बेटी योजना' व 'मां योजना' शुरू करने का भी ऐलान किया।

तेजस्वी ने कहा

महागठबंधन सरकार बनने का दावा

बिहार पूरी तरह से 20 साल की खटारा सरकार को बदलने के मूड में है। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। 18 को महागठबंधन की सरकार शपथ लेगी।

जंगलराज वाली छवि सुधारने की बात

सरकार बनने के बाद 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच बिहार के सभी अपराधी सलाखों के पीछे होंगे। प्रधानमंत्री ने बाहुबलियों के लिए प्रचार किया।

आंकड़े छिपा रहा चुनाव आयोग

पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को हुआ और आज 10 नवंबर 4 दिन बाद भी आकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं कि कितने पुरुष और कितनी महिलाओं ने मतदान किया। कोई भी आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है। पहले भी मैन्युअली उसी दिन आंकड़ा सामने आता था और तकनीक का जमाना है फिर भी आंकड़ा क्यों छिपाया जा रहा है।

मोदी-शाह पर दबाव बनाने का आरोप

अमित शाह पटना में डेरा डाले हुए हैं। होटलों के सीसीटीवी बंद कराए जाते हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात हो रही है। दबाव बनाने शुरू हो गया है। ये चुनाव में गड़बड़ी करना चाहते हैं।

चुनाव आयोग को मृत कहने पर तेजस्वी को भाजपा ने लिया आड़े हाथ

लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करना राहुल गांधी व उनके सहयोगियों की फितरतः प्रसाद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली। भाजपा ने चुनाव आयोग को 'मृत और औजार' कहने पर तेजस्वी यादव पर सोमवार को तीखा हमला बोला। पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने की राहुल गांधी व उनके सहयोगियों की 'फितरत' बताया। वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए तेजस्वी पर अपने पिता के कुशासन और भ्रष्टाचार की विरासत को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। प्रसाद ने कहा कि विधानसभा चुनाव जंगल राज और सुशासन के बीच की लड़ाई है। भाजपा नेता ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि मेरा प्रतिवाद यह है कि चाहे राहुल गांधी हों या उनके सहयोगी दल, जब भी उन्हें अपनी मनचाही चीज़ नहीं मिलती, वे चुनाव आयोग, अदालतों, कैग और संसद जैसी संस्थाओं के बारे में ओछे बयान देने लगते हैं। लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करना उनकी फितरत है। प्रसाद ने आगे कहा कि तेजस्वी अपने पिता की कुशासन, भ्रष्टाचार और भय की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। तेजस्वी यादव अपने पिता के जंगल राज की विरासत के मुखिया हैं। दोनों बार जब नीतीश कुमार लालू परिवार से अलग हुए, तो उन्होंने कहा कि उनके पास बिहार में भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। तेजस्वी यादव की इस टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए कि उद्योग केवल भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों स्थापित किए जाते हैं, प्रसाद ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री को अपना होमवर्क करने की जरूरत है।

डिप्टी सीएम का हेलिकॉप्टर खेसारी लाल के हेलीपैड पर लैंड करते-करते बचा

भागलपुर जिले के गोराडीह प्रखंड स्थित हाई स्कूल मुक्तापुर मैदान में रविवार दोपहर एक अजीब स्थिति पैदा हो गई थी। यहां कहलगांव विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी रजनीश भारती के समर्थन में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव की सभा आयोजित की जानी थी। इसके लिए मैदान में विशेष हेलीपैड बनाया गया था। करीब दोपहर 1 बजे, एक हेलिकॉप्टर वहां लैंड करने लगा। जब वह काफी नीचे उतर आया तो पायलट को एहसास हुआ कि यह हेलीपैड दरअसल राजद प्रत्याशी की सभा के लिए बनाया गया है। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने बिना लैंड किए ही फिर से उड़ान भर ली। बाद में पता चला कि वह बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर था, जिन्हें इसी समय गोराडीह के सालपुर पंचायत स्थित रायपुर गांव में जदयू प्रत्याशी शुभानंद मुकेश के पक्ष में जनसभा को संबोधित करना था।

कर्नाटक पुलिस के जवान की हार्ट अटैक से मौत

कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की ड्यूटी में तैनात कर्नाटक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक पुलिस की एक टीम चुनावी ड्यूटी के लिए रामगढ़ पहुंची थी। सभी जवानों को रामगढ़ हाई स्कूल परिसर में ठहराया गया था। शुक्रवार सुबह जब साथी जवानों ने राजकुमार को जगाने की कोशिश की, तो वे अचेत अवस्था में पाए गए। इसके बाद उन्हें तुरंत रामगढ़ रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नतीजों के पहले ही अनंत सिंह के समर्थकों ने की जश्न की तैयारी

वैसे तो बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 को आएंगे लेकिन अनंत सिंह के समर्थक अभी से जश्न की तैयारी करने लगे हैं। अनंत सिंह के समर्थक मोकामा और पटना में टेंट लगवा रहे हैं

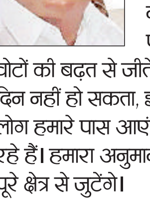

और सबके लिए खाने की तैयारी की जा रही है। अनंत सिंह के समर्थकों का अनुमान है कि नतीजे वाले दिन 25 से 30 हजार लोग जश्न के लिए जुटेंगे। जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह के समर्थक केशव ने कहा, 14 नवंबर के लिए तैयारियां की जा रही हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम 30,000 से 35,000 वोटों की बढ़त से जीतेंगे। लेकिन इतना बड़ा आयोजन एक ही दिन नहीं हो सकता, इसलिए हम पहले से तैयारी कर रहे हैं। जब लोग हमारे पास आएंगे, तो हम उनके स्वागत की पूरी तैयारी कर रहे हैं। हमारा अनुमान है कि हमारे 25,000 से 30,000 कार्यकर्ता पूरे क्षेत्र से जुटेंगे।

एसआईआर पर भड़की सीएम ममता बेनर्जी बोलीं

चाहे मेरा गला काटो... या जेल भेजो, लेकिन वोटबंदी के खिलाफ लड़ेंगे, ये सुपर इमरजेंसी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में बयान दिया है। उन्होंने इस प्रक्रिया को 'सुपर इमरजेंसी' करार देते हुए चुनाव आयोग से इसे रोकने की बात कही है। ममता बनर्जी ने सोमवार को उत्तर बंगाल में एक प्रशासनिक बैठक में बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग पर चुनाव अधिकारियों को व्यस्त रखने का आरोप लगाया ताकि सरकार अगले तीन महीनों तक ठीक से काम न कर सके।

उन्होंने सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर भाजपा का राजनीतिक हथियार होने का आरोप लगाया और कहा कि यह संशोधन अभियान चुनिंदा और दुर्भावनापूर्ण इरादे से चलाया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर को विवादास्पद राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से जोड़ते हुए कहा कि यह वैध मतदाताओं को डराने और उनके मताधिकार से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।

ममता बनर्जी ने कहा कि यह लोगों को बदनाम करने की जानबूझकर की गई कोशिश है! इतने लोग मारे गए, चुनाव आयोग ने एक भी शोक संदेश नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, आप मुझे जेल भेज सकते हैं या मेरा गला काट सकते हैं, लेकिन एक भी असली मतदाता का नाम मत काटो। बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने की ज़रूरत पर संदेह जताया और इसे 'वोटबंदी' की कवायद बताया।

उन्होंने भारत की सुरक्षा स्थिति और कथित घुसपैठ को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी हमला बोला और कहा कि आंतरिक सुरक्षा, सीआरपीएफ और बीएसएफ उनके अधीन आते हैं और उनके इस्तीफे की मांग की। मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की भी आलोचना की और इसे एक बड़ी भूल बताया जिसे वापस लिया जाना चाहिए। पिछले हफ़्ते, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया के ख़िलाफ़ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और ज़ोर देकर कहा कि अगर एक भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूट गया तो केंद्र की भाजपा सरकार का गिरना तय है।

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

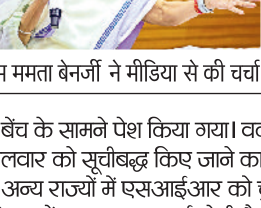
सीएम ममता बेनर्जी ने मीडिया से की चर्चा

बता दें कि पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में राहत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने पेश किया गया। वकील ने कि याचिका को मंगलवार को सूचीबद्ध किए जाने का यह कहते हुए अनुरोध किया कि अन्य राज्यों में एसआईआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर कल सुनवाई होनी है।

एसआईआर के नाम से क्यों घबरा रही है डीएमके?

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के महासचिव ई पलानीस्वामी ने सवाल उठाए हैं कि सत्ताधारी डीएमके एसआईआर के नाम पर घबरा क्यों रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल झूठ बोलकर एसआईआर को लेकर भ्रम फैला रहा है। डीएमके का कहना है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए एक महीने का समय पर्याप्त नहीं है। इस पर पलानीस्वामी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के लिए एक महीने का समय काफी है। मीडिया से बात करते हुए पूर्व सीएम ई पलानीस्वामी ने कहा कि 'बूथ स्तर के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में आठ दिनों में 300 घर कवर कर सकते हैं। ऐसे में ये कहना कि एक महीने का समय काफी नहीं है, ये सही नहीं है।' डीएमके पर निशाना साधते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि 'डीएमके और इसकी सहयोगी पार्टियां एसआईआर का नाम लेते ही घबरा क्यों जाती हैं? क्या वे नहीं चाहते कि मतदाता सूची की खामियां दूर हों?

मंदी की हकीकत ने दी आईआईटी कैंपस में दस्तक, वेतन और प्लेसमेंट में आई भारी कमी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश के सर्वोच्च तकनीकी संस्थान जिसमें दाखिला युवाओं का सपना होता है। सपना बेहतर भविष्य का। सपना बेहतर पैकेज का। केंद्र सरकार के आँकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि मंदी की मार से आईआईटी के कैंपस भी अब अछूते नहीं। आईआईटी से निकल रहे युवाओं को प्लेसमेंट और पैकेज दोनों में मुसीबत झेलनी पड़ रही है। आंकड़े बता रहे हैं कि आइटियंस भी बेरोजगारी और वेतन में स्थिरता की मार झेल रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव, राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि केंद्र सरकार द्वारा तैयार किए गए नवीनतम आधिकारिक आंकड़े, जिन्हें कभी सार्वजनिक नहीं किया गया, ये बताते हैं कि बीते तीन वर्षों में आईआईटी के कैंपस प्लेसमेंट और औसत वेतन पैकेज, दोनों में ही चौंकाने वाली गिरावट दर्ज हुई है। जयराम ने लिखा, आईआईटी के नए आंकड़े -जिन्हें मोदी सरकार ने खुद तैयार किया लेकिन उन्हें जारी करना उचित नहीं समझा -यह दिखाते हैं कि अंतिम वर्ष के बी.टेक छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट मिलने की दर और औसत सैलरी पैकेज, दोनों में भारी गिरावट आई है। 2021-22 से 2023-24 के बीच सात सबसे पुराने आईआईटी के प्लेसमेंट में 11 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन में 0.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। दूसरे आठ आईआईटी के प्लेसमेंट में 9 प्रतिशत अंकों की गिरावट और औसत पैकेज में 2.2 लाख की कमी आई।आठ सबसे नए आईआईटी के प्लेसमेंट में 7.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट और औसत पैकेज में 1 लाख रुपए की कमी देखी गई। यह स्पष्ट है कि व्यापक बेरोज़गारी और वेतन में स्थिरता की दोहरी मार अब आईआईटी जैसे प्रीमियर संस्थानों के छात्रों तक पहुँच चुकी है।"

तीन वर्षों में लगातार गिरावट

वर्ष 2021-22 से लेकर 2023-24 तक के आंकड़े बताते हैं कि भारत के प्रमुख आईआईटी में छात्रों को मिलने वाले नौकरी के अवसर कम हुए हैं और औसत पैकेज भी घटे हैं। सात पुराने आईआईटी जैसे आईआईटी दिल्ली, बॉम्बे, कानपुर, मद्रास, खड़गपुर, रूड़की और गुवाहाटी हैं इनके प्लेसमेंट दर में 11 प्रतिशत अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई है।उसमें भी जिनके प्लेसमेंट हुए उनमें औसत वेतन पैकेज में 0.2 लाख रुपए तक की कमी रिकॉर्ड की गई। दूसरे स्तर के आठ आईआईटी जैसे आईआईटी भुवनेश्वर, गांधीनगर, पटना, इंदौर, मंडी इत्यादि, जैसे संस्थाओं में प्लेसमेंट दर में 9 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है जबकि औसत पैकेज में 2.2 लाख रुपए की कमी रिकॉर्ड की गई। आठ नए आईआईटी जैसे आईआईटी पलक्कड़, धर्मद, जम्मू, गोवा सहित अन्य आईआईटी शामिल हैं इनमें प्लेसमेंट दर में 7.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट है जबकि औसत पैकेज में 1 लाख रुपए की कमी दर्ज की गई।

शिक्षा से रोजगार तक का संकट

इन आंकड़ों पर ध्यान रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है, यह आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि देश में रोजगार का संकट अब तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुँच चुका है। जहां पहले आईआईटी से निकलने वाले छात्रों को वैश्विक कंपनियों से ऑफर मिलते थे, वहीं अब न केवल अवसर घटे हैं बल्कि मिलने वाला वेतन भी ठहराव की स्थिति में है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति कई कारणों से बनी है। आईटी और स्टार्टअप सेक्टर में मंदी,वैश्विक आर्थिक अस्थिरता,सरकारी और निजी परियोजनाओं में भर्ती की रफ्तार का धीमा होना, जैसे प्रमुख कारक हैं। विशेषज्ञों और नीति निर्धारकों ने कहा, सबसे गंभीर सवाल यह है कि मोदी सरकार के पास जब यह आधिकारिक डेटा मौजूद है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? विपक्ष का कहना है कि सरकार "अच्छे दिनों" की तस्वीर बनाए रखने के लिए वास्तविक आंकड़े छिपा रही है।

पीएम ने भारत को सशक्त करने का कार्य किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनायाः विष्णुदेव साय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा भारत पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यहां भारत के हर राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव एक साथ देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि भारत पर्व उनकी 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित हो रहा है, जिसका समापन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत के सांस्कृतिक और भावनात्मक एकीकरण का प्रतीक है।

सीएम साय ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रतिमा भारत की एकता की पहचान है और सरदार पटेल के व्यक्तित्व की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका निर्माण कराया, तब देश के हर गांव से लोहा मंगवाया गया था। यह सच्चे अर्थों में एक भारत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाया, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके सपनों के भारत को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लेकर सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सनातन संस्कृति के वैभव को पुनः स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल के रिश्तेदारों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। पूरे देश ने जब यह दृश्य देखा तो सभी भावुक हुए। उन्होंने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि देश की विरासत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है, जो सरदार पटेल की सोच को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की झांकी ने एकता परेड में हिस्सा लिया और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में हुए आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र जी का वंदेमातरम और सरदार पटेल की एकता की भावना, यही हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने सिविल सेवा ढांचे का भारतीयकरण किया और आज भी प्रशासनिक संस्थाओं में उनकी सोच झलकती है। मुख्यमंत्री ने भारत पर्व में प्रस्तुति देने छत्तीसगढ़ से आए सांस्कृतिक दल के कलाकारों से भी मुलाकात भी। इसके साथ ही सीएम साय ने भारत पर्व में बने छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण किया। उन्होंने वहां प्रदर्शित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन करते हुए छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और उत्पादों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कलाकारों और प्रदर्शकों से संवाद भी किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी भी साथ रहे।

मिजोरम सीएम को ईसी ने लगाई फटकार

आइजोल। चुनाव आयोग ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई है। यह कार्रवाई डम्पा उपचुनाव में पार्टी के लिए प्रचार के दौरान दिए गए उनके बयानों को लेकर की गई है। एक अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने राज्य के सीईओ से मिली रिपोर्ट जो स्वीकार्य नहीं है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साजन शर्मा, पुत्रः मोहन शर्मा उर्फ राम प्रसाद, निवासीः मकान नंबर–डब्ल्यूजेड–1825, मुल्तानी मोहल्ला, रानी बाग, दिल्ली** ने **E-FIR No.: 025867/2021, U/s: 379/411 IPC, पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **साजन शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **साजन शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **साजन शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 10.12.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रीतिका जैन
जेएमएफसी–05, कमरा संख्या 105,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15153/OD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **दिनेश पुत्रः** श्री गंगा **पताः** सी–122, विजय विहार फेस–2, रोहिणी दिल्ली, ने **FIR No. 316/2013 U/s 279/33/52/58/D.EX ACT थानाः कंझावला, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया हैं), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 316/2013 U/s 279/33/52/58/D.EX ACT थानाः कंझावला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **दिनेश,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अपूर्व भारद्वाज
जेएमएफसी–02, कमरा नंबर 113
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15123/RD/2025
(Court Matter)

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सिंचाई विभाग रोहतक	जल सेवाएं यांत्रिकी मण्डल रोहतक में मरम्मत और रखरखाव हेतु वर्कशॉप मशीनरी की अधिप्राप्ति।	07.11.2025 19.11.2025	56.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8901388296 rohtakxenmech@yahoo.com
2	मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, हरियाणा पंचकूला	वॉल कैलेंडर 2026 की रिमिंग।	बंद होने की तिथि 10.12.2025	5 लाख	etenders.hry.nic.in pandsharyana.gov.in	9872020766 printing@hry.nic.in
3	पंचायती राज भिवानी	भिवानी जिले में एमएसके, इंडोर जिम्स और ई-पुस्तकालयों में 81 एसी का एस/ई।	07.11.2025 12.11.2025	42.97 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
4	पंचायती राज भिवानी	गांव पिंजोखरा में जीएचएस के मेन गेट का निर्माण (डी-प्लान) + 1 कार्य।	07.11.2025 12.11.2025	7.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
5	विकास एवं पंचायत जिला परिषद, अम्बाला	वीएएनजीवाई अम्बाला-2 - गांव बरनाला, ब्लॉक अम्बाला-II में जन स्वास्थ्य नलकूप नं. 2 की चारदिवारी का निर्माण (वीएएनजीवाई 2025-26), गांव बरनाला, ब्लॉक अम्बाला-II में धनकौर लिंक रोड से स्वर्ण सिंह के मकान तक आई/एल गली का निर्माण (वीएएनजीवाई 2025-26), गांव बरनाला, ब्लॉक अम्बाला-II में बीसी चौपाल की चारदिवारी पर ग्रिल की फिक्सिंग (वीएएनजीवाई 2025-26) + 9 कार्य।	08.11.2025 14.11.2025	97,68,999/-	https://etenders.hry.nic.in	1712975281 ZPEXENAMBALA@GMAIL.COM
6	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में डीजल जनरेटर (डीजी) सैट्स समेत विद्युत, अग्निशमन सेवाओं का व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी)।	13.11.2025 28.11.2025	ईएमडी 5,12,000/-	https://etenders.hry.nic.in	8295340665 director.kcghc-hry@gov.in
7	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में 36 अदद लिफ्टों का व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी)।	13.11.2025 28.11.2025	ईएमडी 1,94,000/-	https://etenders.hry.nic.in	8295340665 director.kcghc-hry@gov.in
8	भगत फूल सिंह राजकीय महिला चिकित्सा महाविद्यालय	टेबलेट डाईक्लोफिनैक 100 एमजी एसआर के प्रावधान हेतु निविदा + 2 अन्य।	07.11.2025 20.11.2025	ईएमडी 30,000/-	https://etenders.hry.nic.in	9416803361 Bpsgmc.purchase@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच–11/2026/160/40178/I/88/7 दि. 10.11.25

डोनाल्ड ट्रंप हर अमेरिकी को 1.7 लाख देंगे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दावा किया कि टैरिफ से

अरबों डॉलर की कमाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इस कमाई से अमीरों को छोड़कर हर अमेरिकी नागरिक को 2,000 डॉलर (करीब 1.7 लाख रुपए) का 'डिविडेंड' मिलेगा। ट्रंप ने पोस्ट में टैरिफ के आलोचकों को 'मूर्ख' करार दिया। उन्होंने कहा, 'टैरिफ के खिलाफ बोलने वाले लोग मूर्ख हैं। हमारी सरकार ने अमेरिका को दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बना दिया है। जहां महंगाई न के बराबर है और शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है।' हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि ये प्रॉफिट किसे मिलेगा, इसकी पात्रता मानदंड (जैसे आय सीमा क्या होगी?) या समयसीमा पर कोई साफ जानकारी नहीं दी।

आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक: थल सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त अभ्यास त्रि-सेवा अभ्यास 2025 का हुआ सफल आयोजन

यह अभ्यास भारत की सुरक्षा और तैयारियों को मजबूत करने का प्रतीक

30 हजार सैनिकों ने अभ्यास में भाग लिया तीनों सेनाओं द्वारा संयुक्त अभ्यास किया

ड्रोन साइबर, खुफिया और हवाई रक्षा जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की तीनों सेनाओं ने मिलकर त्रि-सेवा अभ्यास 2025' का सफल आयोजन किया। अभ्यास को आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक माना जा रहा है। सोमवार को नौसेना ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बेहद महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास में भारतीय नौसेना के लगभग 20 से 25 सतही और पनडुब्बी जैसे संसाधन शामिल रहे। इनमें कई युद्धपोत भी शामिल थे। भारतीय थलसेना ने 30,000 से अधिक सैनिकों, हथियार प्रणालियों और उपकरणों के साथ अपनी सामरिक तैयारी और क्षमता को प्रदर्शित किया।

बता दें कि भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना ने ये संयुक्त अभ्यास किया था। भारत की तीनों सेनाओं द्वारा यह संयुक्त अभ्यास राजस्थान, गुजरात और उत्तरी अरब सागर के विस्तृत क्षेत्रों में हुआ। सैन्य अभ्यास में जटिल युद्ध परिस्थितियों और बहु-क्षेत्रीय समन्वित अभियानों का प्रदर्शन किया गया। नौसेना के मुताबिक इस अभ्यास के माध्यम से तीनों सेनाओं के बीच संचालनिक तालमेल, एकीकृत युद्ध रणनीतियों और संयुक्त मानक कार्यप्रणालियों (एसओपी) का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। इसके साथ ही, भारतीय तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी ने अंतर-एजेंसी समन्वय और संयुक्तता को और अधिक सशक्त बनाया।

भारत की तीनों सेनाओं का त्रि-सेवा महा-अभ्यास 'त्रिशूल' किया गया।

40 से अधिक विमानों ने शक्ति प्रदर्शन किया

वायुसेना के 40 से अधिक विमानों व भारतीय थलसेना के 30,000 से ज्यादा सैनिकों ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया। नौसेना के आधुनिक प्लेटफार्मों के साथ ही भारतीय वायुसेना ने 40 से अधिक विमानों और संबंधित ग्राउंड-बेस्ड सिस्टम्स के साथ यहां अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है।

अभ्यास का अंतिम चरण सौराष्ट्र तट पर होगा

गौरतलब है कि इस महा-अभ्यास का अंतिम चरण सौराष्ट्र तट पर होगा, जिसमें सैन्य-जल आधारित संयुक्त अभियान का आयोजन किया जाएगा। इसमें समुद्र तट पर उतराई (बीच लैंडिंग) के अभ्यास शामिल हैं। यह चरण भूमि, समुद्र और हवा में पूर्ण एकीकरण और बहु-क्षेत्रीय सामरिक क्षमताओं का परीक्षण करेगा। इसके अलावा अंत में रक्षा मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि अभ्यास 'त्रिशूल' भारतीय सेना के 'दशक परिवर्तन' योजना के तहत भी एक परीक्षण मंच का काम करता है।

दक्षिण कमांड की रही भागेदारी

रक्षा मंत्रालय के अनुसार साउदर्न कमांड इस अभ्यास में सक्रिय भाग ले रही है। इसका मकसद भूमि, समुद्र और हवा में पूर्ण एकीकरण को परखना है और 'साझेदारी, आत्मनिर्भरता और नवाचार' के सिद्धांत को व्यवहार में लाना है। साथ ही थार रेगिस्तान में, साउदर्न कमांड की इकाइयां 'मरुज्वाला' और 'अखंड प्रहार' अभ्यासों के माध्यम से संयुक्त संचालन, गतिशीलता और आग की शक्ति के एकीकरण का परीक्षण कर रही हैं। ये अभ्यास यथार्थ परिस्थितियों में सेना की युद्ध क्षमता को परखने में मदद करते हैं।

शिखर सम्मेलन 10 से 21 नवंबर तक चलेगा

कॉप-30: बड़ी चुनौतियों के बीच ब्राजील में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू

भारत ब्राजील की पहल का स्वागत करता है

एजेंसी ▶▶ बेलेम (ब्राजील)

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कॉप- 30 बैठक से पहले उष्णकटिवंधीय वर्षा वनों को बचाने के लिए ब्राजील के वन कोष का भारत ने समर्थन किया है। ब्राजील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने ब्राजील के नेतृत्व वाले उष्णकटिबंधीय वन कोष में पर्यवेक्षक के रूप में भारत के शामिल होने की घोषणा करते हुए कहा कि भारत ब्राजील की पहल का स्वागत करता है।

ब्राजील ने गुरुवार को वनों के संरक्षण और विस्तार के लिए उष्णकटिबंधीय देशों को पुरस्कृत करने के लिए एक वैश्विक कोष के रूप में टीएफएफएफ की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से लगभग 125 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाना है। कॉप क्या है? कॉपी का मतलब है 'पार्टियों का सम्मेलन'। यह वार्षिक शिखर सम्मेलन उन

देशों को एक साथ लाता है जिन्होंने 1992 की संयुक्त राष्ट्र जलवायु संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि का मुख्य उद्देश्य सभी देशों को मिलकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध करना है। यह संधि यह भी स्थापित करती है कि अमीर देशों की, जिन्होंने ग्रह-वार्मिंग उत्सर्जन में अधिक योगदान दिया है, समस्या को हल करने की जिम्मेदारी ज्यादा है। इस बार 30वां सम्मेलन हो रहा है इसलिए इसे कॉप-30 कहा जा रहा। पिछले कुछ वर्षों में, ये वार्षिक शिखर सम्मेलन भू-राजनीतिक और वित्तीय चर्चा का एक प्रमुख केंद्र बन गए हैं। इस साल का कॉप-30 क्यों महत्वपूर्ण है? कॉप का 30वां सम्मेलन बहुत खास है। 33 साल पहले ब्राजील में ही जलवायु संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। यह एक तरह से अपनी जड़ों की ओर लौटना है। ब्राजील चाहता है कि नए वादे करने के बजाय, देश पिछले वादों को पूरा करने पर ध्यान दें, जैसे कि कॉप28 में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे खत्म करने का वादा। ब्राजील ने इसे अमेजन के वर्षावन शहर बेलेम में आयोजित करने का फैसला किया है। यह दुनिया को उन जंगलों का महत्व दिखाता है जो जलवायु के लिए बहुत जरूरी हैं और खतरे में हैं।इसके अलावा, अफ्रीका समूह और ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत, चीन भी प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। जलवायु वित्त सबसे बड़ा एजेंडा जलवायु वित्त इस बार भी सबसे बड़ा मुद्दा है। कॉप 29 में 2035 तक 300 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य था,कॉप 30 में इसे अंतिम रूप दिया जाना है। अमेरिका के पीछे हटने से इसपर असर पड़ेगा। तापमान वृद्धि: तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने का संकल्प दोहराया जाएगा। 95 फीसदी देशों के समय सीमा चूकने के बाद इस लक्ष्य को 2035 तक बढ़ा दिया गया था। जीवाश्म ईंधन के चरणबद्ध उन्मूलन पर बातचीत के वादे पर भी नजर सम्मेलन के सामने कई चुनौतियां अमेरिकी बाधा: ट्रंप प्रशासन ने पेरिस समझौते से बाहर निकलकर, जलवायु विज्ञान में कटौती करके, और नवीकरणीय परियोजनाओं को रद्द करके जलवायु कार्रवाई को बाधित किया है।

बिगड़ती जलवायु आपदा: पिछले साल, औसत वैश्विक तापमान पहली बार 1.5°C से ऊपर चला गया, जो एक गंभीर चेतावनी है। बढ़ती आपदाएं: जलवायु परिवर्तन से होने वाली महंगी आपदाएं बढ़ रही हैं अव्यवस्था: बेलेम सम्मेलन में प्रतिनिधियों की संख्या कम हो सकती है। कई तरह की अव्यवस्थाएं भी इस बार है।

ब्राजील के बेलेम शहर में जुटे दुनियाभार के नेता

ब्राजील के बेलेम शहर में जुटे दुनियाभर नेता ट्रंप शामिल नहीं हो रहे, अन्य अमेरिकी नेता शामिल होंगे प्रमुख बातें -कॉप30 में 200 देशों के 50,000 से अधिक लोग शामिल होंगे -नेताओं के शिखर सम्मेलन में, 140 से अधिक प्रतिनिधिमंडल - लगभग 57 राष्ट्राध्यक्षों और 39 मंत्री, ब्राजील इस वर्ष का मेजबान है -10 से 21 नवंबर तक यह सम्मेलन चलेगा।

पहाड़ से गिरकर बीएसएफ पोर्टर की मौत

जम्मु कश्मीर। पुंछ जिले की मंडी तहसील में नियंत्रण रेखा पर

दो हादसे हुए, जिसमें एक बीएसएफ पोर्टर पहाड़ से गिरकर घायल हो कर दम तोड़ दिया और एक सेना का जवान बारूदी सुरंग के विस्फोट में घायल हुआ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सोमवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक बीएसएफ पोर्टर की मौत हो गई, जबकि एक सेना का जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बीएसएफ के जवानों ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल भेज दिया।

यूनुस के ग्रामीण बैंक मुख्यालय के बाहर बम धमाका

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के ग्रामीण बैंक मुख्यालय के बाहर रविवार देर रात देसी बम से धमाका हुआ। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने मीरपुर में स्थित बैंक मुख्यालय के बाहर तड़के करीब 3.45 बजे देसी बम फेंके।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने टेक क्षमता को सराहा

एजेंसी ▶▶ भिलाई

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि दुनिया भर की आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने एक मजबूत और आधुनिक टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। ट्रेड टैक्स और कौशल की कमी जैसी मुश्किलों के बीच भी

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

मनोज सिन्हा आईआईटी भिलाई के 5वें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे, जहां उन्होंने कहा, आप ऐसे समय में पेशेवर दुनिया में कदम रख रहे हैं जब भारत तेजी से तरक्की कर रहा है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक यह 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि जब कई देशों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर धीमा पड़ रहा है।

अमेरिका में भारतीय छात्रा की रहस्यमय हालातों में मौत

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के टेक्सास में एक 23 साल की भारतीय छात्रा की मौत ने झकझोर कर रख दिया है।

आंध्र प्रदेश की रहने वाली राजलक्ष्मी (राजी) यार्लागड्डा टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी-कोर्पस क्रिस्टी से हाल ही में ग्रेजुएट हुई थीं। लेकिन 7 नवंबर 2025 को उनकी लाश उनके अपार्टमेंट में मिली। राजी आंध्र के बापटला जिले के करमचेडू गांव की थीं और किसान माता-पिता की मदद करने का सपना लेकर अमेरिका गई थीं।

साल 2013 में अहमद अल-शरा को घोषित किया गया था

सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा का अमेरिका के राष्ट्रपति भवन

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को व्हाइट हाउस में सीरियाई समकक्ष अहमद अल शरा का स्वागत किया गया। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात के लिए शरा शनिवार को ही अमेरिका पहुंच थे। शरा का यह दौरा कई मायनों में काफी एतिहासिक है। उनके दौरे से एक दिन पहले ही यानी रविवार को अमेरिका ने उन्हें आतंकियों के लिए बनी ब्लैकलिस्ट से हटाया है। शरा ही वह शख्स हैं जिनकी अगुवाई में विद्रोहियों ने लंबे समय से सीरिया पर शासन कर रहे बशर अल-असद को उखाड़ने में कामयाबी हासिल की है। यहां यह बात भी गौर करने वाली है कि ट्रंप जिस दिन व्हाइट हाउस में एक एक्स आतंकी शरा से मुलाकात करेंगे, उसी समय ब्राजील में कोप 30 का आगाज हो रहा है और ट्रंप ने इस बार इससे दूरी बनाई हुई है।

1946 के बाद पहले राष्ट्रपति

साल 1946 में देश को आजादी मिलने के बाद से शरा पहले सीरियाई राष्ट्रपति हैं जो अमेरिका की यात्रा पर गए हैं। हालांकि शरा और ट्रंप की यह पहली मुलाकात नहीं है और दोनों नेताओं ने इस साल मई में रियाद में मुलाकात की थी। उस समय ट्रंप रियाद के दौरे पर गए थे। सीरिया में वाशिंगटन के दूत टॉम बैरक ने इस महीने की शुरुआत में उम्मीद जताई थी कि शरा इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय गठबंधन में शामिल होने के लिए समझौते को साइन करेंगे।

क्या है मीटिंग का मकसद

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका दमिश्क के पास एक मिलिट्री बेस बनाने की योजना बना रहा है। इस बेस से न केवल मानवीय सहायता में मदद हो सकेगी बल्कि सीरिया और इजराइल के बीच घटनाक्रम पर नजर रखी जा सकेगी। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगोट ने कहा कि शरा की सरकार अमेरिका की मांगों को पूरा कर रही है। इन मांगों में लापता अमेरिकियों को ढूंढने और बचे हुए रासायनिक हथियारों को नष्ट करने का काम भी शामिल है। पिछले साल दिसंबर में सत्ता संभालने के बाद से ही शरा ने ईरान और रूस से दूरी बना ली है। ये दोनों ही देश असद के सहयोगी रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109